RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 39 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 22 नवंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

फिर एक नाबालिग हुई रेप की शिकार, इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद घुमाने के बहाने दिया वारदात को अंजाम

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में फिर एक नाबालिग दुष्कर्म का शिकार हो गई। 10 वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा की इंस्टाग्राम पर युवक से दोस्ती हुई। घुमाने के बहाने छात्रा को ले जाने वाले युवक ने पहले उससे दुष्कर्म किया और घर पर छोड़कर भाग गया। घर पर छात्रा ने आपबीती बताई तो परिजनों ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने 376, 4,6 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना तखतपुर थाना क्षेत्र का है। 16 वर्षीय 10 वीं छात्रा तखतपुर में अपनी बुआ के घर पर रहकर पढ़ाई कर रही थी। सोमवार सुबह सात बजे वह स्कूल जाने निकली तो वापस नहीं लौटी। शाम होते होते परिजनों की चिंता बढ़ने लगी और इसके बाद परिजन थाने पहुंचे और गुमशुदा रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर बच्ची लापता थी और परेशान परिजन हर जगह खोजबीन करने लगे। शाम होते-होते तखतपुर थाना क्षेत्र के राजपुर निवासी युवक पंकज खांडे छात्रा को घर पर छोड़कर चला गया।

छात्रा ने घर पहुंचने के बाद परिजनों को सारी बात बताई। छात्रा ने बताया कि युवक से वह इंस्टाग्राम के जरिए परिचित हुई थी। स्कूल जाते समय पंकज खांडे रास्ते में मिला और उसे अपनी बाइक से अपने चाचा के घर ले गया। चाचा के घर पर उसने गलत काम किया। इसके बाद परिजन नाबालिग को लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। मामले में पुलिस ने नबालिग का बयान लिया और अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दिया है।

भानुप्रतापुर उप चुनाव

14 ने लिया नाम वापस, भाजपा-कांग्रेस सहित 7 के बीच मुकाबला

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। भानुप्रतापपुर उप चुनाव के लिए सोमवार को नाम वापसी व चुनाव चिह्न आबंठन किया गया। स्कूटनी के बाद बचे 21 में आज 14 लोगों ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके साथ ही अब उपचुनाव में भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशियों के साथ कुल 9 उम्मीदवार मैदान में हैं। उपचुनाव के लिए 5 दिसम्बर को मतदान होगा और आठ दिसम्बर को मतगणना होगी।

निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार उप चुनाव के लिए कुल 39 लोगों ने नामांकन दाखिल किया था। 18 नवंबर को स्क्रूटनी के बाद 18 लोगों का नामांकन रद्द हुए और 21 नामांकन को वैध घोषित किया गया। सोमवार को नाम वापसी का अंतिम दिन था। इस दौरान 14 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद चुनावी मैदान में अब 7 उम्मीदवार बच गए हैं।

इनके बीच अब होगा मुकाबला

नामांकन वापसी के बाद कांग्रेस उम्मीदवार सावित्री मंडावी, भाजपा उम्मीदवार ब्रह्मानंद नेताम, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के घनश्याम जुर्री, अंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया के शिवलाल पुडो, राष्ट्रीय जनसंघ पार्टी के हीरा नेताम, निर्दलीय अकबर कोर्राम और दिनेश कुमार कल्लो शामिल हैं। वहीं आज अर्जुन सिंह, अयुनाराम ध्रुव, गौतम कुंजम, जीवन राम ठाकुर, दुर्योधन दर्रो, देवप्रसाद जुर्री, नागेश कुमार महला, प्रमेश कुमार टेकाम, बलराम तेता, महात्मा कुमार दुग्गा, रेवतीरमन गोटा, रोहित कुमार नेताम, लक्ष्मीकांत गावड़े और सेवालाल चिराम ने अपना नामांकन वापव ले लिया है।

कांग्रेस ने बनाई चुनाव संचालन समिति, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू सहित 19 नेता शामिल

प्रदेश कांग्रेस ने भानुप्रतापपुर विधानसभा उपचुनाव के संचालन के समिति का गठन कर लिया है। कांकेर की प्रभारी मंत्री अनिला भेड़िया सहित तीन मंत्रियों, तीन विधायकों और दो सांसदों सहित 19 नेताओं को इसमें शामिल किया गया है। संचालन समिति में गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू और आबकारी मंत्री कवासी लखमा को भी बड़ी भूमिका दी गई है। इससे पहले कांग्रेस अपने 43 विधायकों सहित करीब 70 नेताओं को सेक्टर प्रभारी बनाकर चुनावी मैदान में तैनात कर चुकी है।

प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री संगठन अमरजीत चावला ने सोमवार शाम को चुनाव संचालन समिति की घोषणा की। इसमें तीन मंत्रियों के अलावा बस्तर सांसद दीपक बैज और राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम को रखा गया है। उनके अलावा बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल, कांकेर विधायक शिशुपाल शोरी और अंतागढ़ विधायक अनूप नाग को भी चुनाव संचालन समिति में रखा गया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और कांकेर के जमीनी नेता राजेश तिवारी, प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल, खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, प्रदेश महामंत्री रवि घोष को भी संचालन समिति का सदस्य बनाया गया है।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 24 नवंबर को

दुर्ग। जिला पंचायत दुर्ग की सामान्य सभा की बैठक 24 नवंबर को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में सेतू निर्माण, शिक्षा विभाग, लोक निर्माण विभाग, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विभाग, टाउन प्लानिंग विभाग, उद्यानिक विभाग और अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

भ्रष्ट अधिकारी ने पीएचई को लगाया करोड़ों का चूना, बिल देख सचिव भी हैरान

पद से डिमोशन के साथ 4.65 करोड़ वसूली का आदेश जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में कार्यपालन अभियंता रहे एमके मिश्रा से शासन 4.65 करोड़ की रिकवरी करेगा। साथ ही इस भ्रष्ट अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पद से डिमोशन किया जाएगा। करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार और लेनदेन का खुलासा होने के बाद विभागीय अधिकारी से लेकर शासन तक हरकत में आया है। मिली जानकारी के अनुसार शासन ने मिश्रा को अब सहायक अभियंता के पद पर डिमोशन करने का आदेश जारी किया है। ईई मिश्रा को डिमोट करके एई पद दिया जाएगा।

कार्रवाई की जाएगी

भ्रष्ट अधिकारी फिलहाल जगदलपुर में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदस्थ हैं। इस मामले में अवर सचिव, पीएचई रवीन्द्र कुमार मेढेकर ने कहा कि शिकायत के आधार पर सभी बिंदुओं पर जांच की गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कारवाई की अनुशंसा की गई है। ईएनसी द्वारा आगे की कारवाई की जाएगी।

इस तरह की गड़बड़ी को दिया अंजाम

अधिकारी ने कोरबा में 3 साल की पदस्थापना के दौरान 7.68 लाख रुपए की फोटोकॉपी, 20.12 लाख डीजल के नाम पर खर्च किए। ईई मिश्रा ने अपने कार्यकाल के दौरान कोरबा के चंद बड़े ठेकेदार एस के इंटरप्राइजेस, ज्योति इलेक्ट्रॉनिक्स और अग्रसेन ट्रेडर्स को कोटेशन के आधार पर लाखों का काम दिया गया था। हर टेंडर में इन तीनों ठेकेदार द्वारा ही हिस्सा लिया गया था। यहां तक की ठेकेदारों से जमा होने वाली अमानत राशि को भी ईई ने विभाग में जमा नहीं कराया था। संडेल, धनगांव, सुतर्रा, धवईपुर नलप्रदाय योजना को ई टेंडर के बजाए मैनुअल पद्धति से कराया गया था।

रिसेप्शन के दौरान हर्ष फायरिंग में गई दूल्हे के दोस्त की जान

हवा की जगह जमीन पर हुआ फायर और सीने में लगी गोली

बेगूसराय (एजेंसी)। शादी की रिसेप्शन में हर्ष फायरिंग में दूल्हे के दोस्त की मौत हो गई। खुशी में चलाई गई गोली युवक के सीने में लगी और मौके पर उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद फायरिंग करने वाले भाग गए और मौके पर अफरातफरी मच गई। घटना बेगूसराय बिहार के बलिया थाना क्षेत्र के लखमीनिया फूल चौक शेरन चक दुर्गा मंदिर के पास की है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना सोमवार रात की है। खगड़िया जिला के महेशखूंट बिचली टोला वार्ड नंबर 10 में रहने वाला युवक रवि कुमार (36) अपने दोस्त संजय शर्मा की रिसेप्शन पार्टी में शामिल होने गया था। रिसेप्शन के दौरान ही कुछ लोगों ने हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। ताबड़तोड़ गोलियां चलने लगी। इसी दौरान हर्ष फायरिंग कर रहे लोगों ने सामने से गोली चला दी जो रवि कुमार के सीने में लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मची भगदड़, खुशी मातम में बदली

घटना के बाद फायरिंग करने वाले बंदूक लेकर भाग गए। इसकी सूचना मिलने के बाद बलिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस के पहुंचने से पहले दहशत के माले टेंट वाले ने अपना टेंट उखाड़ दिया और हलवाई भी निकल गया। बताया जा रहा है कि रवि कुमार पटना में रहकर पढ़ाई करता था। उसी दौरान संजय कुमार से दोस्ती हुआ था। हादसे के बाद पुलिस अब पार्टी में मौजूद वीडियो कैमरा और फोटो खींचने वालों से पूछताछ करके फायरिंग करने वाले की पहचान करेगी।

प्यार का मौसम और हत्याओं का रेला

श्रीकंचनपथ

पहले जहां यह माना जाता था गर्मियों में लोग जल्दी अपना आपा खो बैठते हैं और हत्याएं करते हैं वहीं पिछले कुछ दशकों में अपराधों के पैटर्न पर विश्व भर में हुए शोध बताते हैं कि ठंड के आरंभ और अंत के दिनों में हिंसा के सर्वाधिक अपराध होते हैं. इन दिनों में युवा जमकर पार्टी करते हैं और वहीं पर जघन्य अपराधों के बीज पड़ जाते हैं. शोध के निष्कर्ष पर विवाद हो सकता है पर इधर छत्तीसगढ़ से लेकर भारत के विभिन्न भागों से रेप और मर्डर की खबरें आने लगी हैं. छत्तीसगढ़ के भिलाई की बेटी 24 वर्षीय प्रियंका का सड़ रहा शव उसके बायफ्रेंड की कार से बरामद हुआ. उधर दिल्ली में श्रद्धा वालकर की हत्या उसके शादीशुदा प्रेमी ने गुस्से में कर दी. इसके बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए उसके अनगिनत टुकड़े कर दिए. वहीं आजमगढ़ में एक सनकी आशिक ने अपनी गर्लफ्रेंड का कत्ल करके उसके पांच टुकड़े कर दिये. ग्वालियर के गोला का मंदिर इलाके से लापता 24 वर्षीय पूजा शर्मा को भी उसके आशिक ने मार डाला. मामले का खुलासा तब हुआ जब साइको किलर विक्रांत को राजस्थान पुलिस ने धर दबोचा. उसने कबूल किया कि अब तक वह तीन युवतियों को प्रेमजाल में फंसा कर उनकी हत्या कर चुका है. पिछले महीने भिलाई में ही एक शादीशुदा व्यक्ति ने अपनी प्रेमिका के साथ होटल के कमरे में फांसी लगा ली. इस तरह के दर्जनों मामले पूरे देश में सामने आए हैं. सबका यहां उल्लेख करना संभव नहीं है. ये मामले कानून व्यवस्था के नहीं है. डायबिटीज और मोटापा की तरह ये भी लाइफस्टाइल डिजीज हैं. पार्टीबाजी, बॉयफ्रेंड, रिलेशनशिप, लिव इन के इस दौर में युवा बिना पतवार की नाव की तरह बह चले हैं. माता पिता का उनके जीवन में बहुत कम हस्तक्षेप रह गया है. श्रद्धा का ही मामला लें तो पिछले दो साल में वह दर्जनों बार पिट चुकी थी. विवाहित आशिक ने उसे कई बार जान से मारने की धमकी भी दी थी. मई में उसकी हत्या हो गई. नवम्बर में इसका खुलासा हुआ. बेटी की घरवालों से महीनों बात नहीं हुई थी. परिजन उसके सोशल मीडिया पोस्ट से इस भ्रम में थे कि वह जीवित है. भिलाई की स्टूडेंट प्रियंका के पास लाखों रुपए निवेश के लिए उपलब्ध थे. अब वह निवेश ही कर रही थी या आनलाइन सट्टा खेल रही थी, यह किसे पता. दरअसल, हम संवादहीनता के युग में जी रहे हैं. बच्चे पढ़ने के लिए बाहर क्या जाते हैं, माता पिता केवल फाइनेंसर बन कर रह जाते हैं. माताएं भी टोलियां बनाकर पार्टी बाजी में मस्त हैं और पिता भी पारिवारिक किचकिच से मुक्त होकर दोस्तों के बीच मस्त हैं. रिश्तों की डोर टूट चुकी है और बच्चे कटी पतंग की तरह हवा में कलाबाजियां खा रहे हैं. अभी मामले उंगलियों पर गिने जा सकते हैं. अपसंस्कृति नहीं रुकी तो धीरे धीरे ऐसे मामले भी सिंगल कॉलम समाचार बन कर रह जाएंगे.

महादेव आईडी के सटोरियों पर एक और बड़ी कार्रवाई, सिवनी मध्यप्रदेश से पकड़ाए 10 सटोरिए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस की महादेव एप आईडी से सट्टा खिलाने वालों में कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में छावनी सीएसपी के नेतृत्व में बड़ी कार्रवाई करते हुए शिवनी मध्यप्रदेश से 10 सटोरियों को गिरफ्तार किया गया है। यह सभी ऑनलाइन सट्टा एप महादेव आईडी से लेनदेन का बिजनेस कर रहे थे। पुलिस ने सटोरियों के पास से तीन लैपटॉप, 16 मोबइल फोन व विभिन्न बैंकों के 13 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं।

छावनी सीएसपी आईपीएस प्रभात कुमार ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने अनिकेत कुर्रे पिता अजय कुर्रे (21) रेलवे स्टेशन कोरबा, नीलमणि पिता चिंताराम देवदास (26) कभी कपर्री सिल्दा खैरागढ़, नेहाल सिंह राजपूत पिता राजेश सिंह राजपूत (23) सिवनी मध्य प्रदेश, अल्ताफ राजा पिता अब्दुल कयूम (19) कोसा बाड़ी कोरबा, हिमांशु सिंह पिता अनिल कुमार (21) निहारिका कोरबा, सुशांक चंद्रा पिता रामचरण चंद्रा (21) रजगा मार्ग कोरबा, नीरज गुप्ता पिता ओम प्रकाश गुप्ता (32) फौजी नगर हाउसिंग बोर्ड भिलाई, गजेंद्र निषाद पिता दुर्योधन निषाद (30) बस स्टैंड के पास नंदकट्टी नंदिनी, विवेक सिंह पिता तनकेश्वर सिंह (20) कोरबा व योगेश यादव पिता बोधनाथ यादव (24) कोरबा को गिरफ्तार किया गया है।

संपादकीय

ईरान में चिंता

जब इंसान एक-दूसरे की कद्र नहीं करते, एक-दूसरे को मिटाने में लगे नजर आते हैं, तब दुनिया में इंसानियत न सिर्फशर्मसार होती है, बल्कि ज्ञान-विज्ञान की तमाम नई-पुरानी परंपराओं को भी चुनौती मिलती है। इन दिनों ईरान से जो खबरें आ रही हैं, उन पर पूरी दुनिया को गौर करना चाहिए। वहां के एक मानवाधिकार समूह ने दावा किया है कि ईरानी सुरक्षा बलों ने महसा अमीनी की मौत के बाद भड़के विरोध प्रदर्शनों में 47 बच्चों सहित कम से कम 378 लोगों की हत्या कर दी है। गौरतलब है कि ईरान में महिलाओं के लिए सख्त ड्रेस कोड लागू किया गया है और इसके बहुत मामूली कथित उल्लंघन पर महसा अमीनी को गिरफ्तार किया गया था। 16 सितंबर को अमीनी की मौत के बाद देश भर में भड़के विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए ईरान के शासन-प्रशासन ने पूरी निर्ममता का सहारा लिया है, नतीजा सामने है। इन घटनाओं के कारण इस्लामी गणराज्य ईरान की दुनिया में भारी बदनामी हो रही है। क्या यह देश इस समस्या के समाधान के लिए पूरी संवेदना बरतने में सक्षम नहीं था? 1979 की क्रांति के बाद से ईरान जिस दिशा में बढ़ रहा है, उसमें विशेष रूप से महिलाओं पर कानून कड़ाई से लागू किए जा रहे हैं। बेशक, हर देश का अपना कानून होता है और कानून के तहत कड़ाई की भी गुंजाइश होती है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि विरोध प्रदर्शनों को कुचलने के लिए बच्चों की भी हत्या होने लगे। ईरान के मानवाधिकार निदेशक महमूद अमीरी-मोगद्दम के अनुसार, मरने वाली महिलाओं और बच्चों की तादाद ज्यादा भी हो सकती है। न्याय के शासन और आम लोगों के दमन में फर्क है। दुनिया में कोई ऐसा मजहब नहीं है, जो दमन की पैरवी करता हो। किसी भी प्रकार के दमन से समाज और देश को नुकसान ही होता है। ईरान के शासन-प्रशासन को पूरी जवाबदेही का परिचय देना चाहिए। दुनिया को दिखाने के लिए नॉन-स्टेट तत्वों या आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहरा देने का तरीका पुराना है। पाकिस्तान भी ऐसा करता था, पर आज उसकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति में जो गिरावट हुई है, वह सुबूत है कि शासन-प्रशासन लगातार दमन करे, तो कोई देश ज्यादा समय तक अपने मान-सम्मान को बचाए नहीं रख सकता। अच्छी संस्कृति का जन्म व संचालन दमन से नहीं, अच्छी नीतियों व सहज प्रेरणाओं से होता है। एक समय ईरान एशिया में गौरवशाली राष्ट्र हुआ करता था, पर आज वह भटकता लग रहा है। अगर मानवाधिकार कार्यकर्ता संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में इस मामले को उठाना चाहते हैं, तो ईरान को अपने माकूल जवाब के साथ पेश आना चाहिए। हो सकता है, ईरान के वर्तमान शासन-प्रशासन के खिलाफ दुष्प्रचार हो रहा हो। दुनिया को भी पता चलना चाहिए कि क्या औरतों और बच्चों की ईरान में हत्या हो रही है? ईरान जांच के लिए तैयार नहीं होगा, लेकिन उसे सुधार और अपनी छवि को खराब होने से जरूर बचाना चाहिए। यहां सवाल सिर्फईरान का नहीं है, मजहब का महज नाम लेने वाले, लेकिन मजहब की उदारता, संवेदना, सरलता का प्रमाण न देने वालों की जगह सभ्य विश्व में नहीं है। जिसमें ममता नहीं, जिसमें इंसानियत नहीं, जो दमन को बुरा नहीं मानता, ऐसे लोगों और देशों का चेहरा सबके सामने आना चाहिए। अगर दुनिया में कहीं भी ऐसा दमन हो रहा है, तो यह संयुक्त राष्ट्र और कथित उदार देशों की उपस्थिति व उपयोगिता पर भी सवाल है।

" पाकिस्तान भी ऐसा करता था, पर आज उसकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति में जो गिरावट हुई है, वह सुबूत है कि शासन-प्रशासन लगातार दमन करे, तो कोई देश ज्यादा समय तक अपने मान-सम्मान को बचाए नहीं रख सकता। अच्छी संस्कृति का जन्म व संचालन दमन से नहीं, अच्छी नीतियों व सहज प्रेरणाओं से होता है। एक समय ईरान एशिया में गौरवशाली राष्ट्र हुआ करता था, पर आज वह भटकता लग रहा है। अगर मानवाधिकार कार्यकर्ता संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में इस मामले को उठाना चाहते हैं, तो ईरान को अपने माकूल जवाब के साथ पेश आना चाहिए।

> " क्या यह कवायद कांग्रेस को 2024 के संसदीय चुनावों में अपनी खोई हुई जमीन हासिल करने में मददगार होगी? मतदाताओं की सोच सिर्फएक यात्रा से नहीं बदल सकती।

भारत जोड़ो यात्रा पहुंचाएगी कहां तक

एस. श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

तीन हजार सात सौ पचास किलोमीटर की अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' की एक तिहाई दूरी राहुल गांधी ने नाप ली है, और मध्य प्रदेश में दाखिल होने के साथ यह कारवां हिंदी पट्टी के सूबों में प्रवेश कर रहा है। अगर कांग्रेस नेताओं व प्रवक्ताओं के दावों को मानें, तो यह यात्रा आम पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच राहुल गांधी की नकारात्मक छवि को बदलने में कामयाब रही है। यानी, इस यात्रा की पड़ताल इससे भी हो सकती है कि करीब डेढ़ दशक से सार्वजनिक जीवन जीने के बावजूद राहुल गांधी की 'पप्पू' या राजनीति में 'नौसिखिया' की बनी छवि को तोड़ने में यह कितना सफल हो रही है? निस्संदेह, राष्ट्रीय और राज्य विधानसभा चुनावों में एक के बाद दूसरी हार को लेकर राहुल गांधी पर कई चुटकुले और मीम्स बनाए गए हैं। मगर वह भारतीय जनता पार्टी के उस अभियान का भी शिकार बने हैं, जो लोगों में उनकी छवि को धूमिल करने के लिए कुशलता से चलाए गए हैं।

कांग्रेस पार्टी को, जो अपने पुनरोद्धार के लिए 'नेहरू-गांधी परिवार के करिश्मे' पर भरोसा करती है, यह उम्मीद है कि भारत जोड़ो यात्रा उनके नेता की छवि को बदलने में सफल होगी। बेशक मुख्यधारा के मीडिया ने इस यात्रा को काफी हद तक नजरंदाज किया है, लेकिन छन-छनकर जो खबरें आ रही हैं, वे यही बताती हैं कि राहुल गांधी ने अपनी छवि को कुछ हद तक अवश्य बदला है। कुछ नहीं तो, यह जरूर कहा जाएगा कि उन्होंने पर्याप्त कोशिश की, क्योंकि वह हर दिन 30 किलोमीटर चल रहे हैं और उनके चेहरे पर थकान के चिह्न कतई नहीं दिखते। रोज सुबह चार बजे उठने, व्यायाम करने और छह बजे से यात्रा शुरू करने की आत्म-अनुशासित प्रतिबद्धता और परिश्रम ने समर्थकों की नजरों में उनका मान बढ़ा दिया है।

दूसरी बात, अधिकांश राज्यों में बंटी हुई कांग्रेस उस समय कम से कम एक जरूर दिखती है, जब यह यात्रा संबंधित राज्य के इलाकों से गुजरती है। हालांकि, यह सवाल अपनी जगह कायम है कि क्या यह सौहार्द आगे भी बना रहेगा? रिपोर्टें तो यही बताती हैं कि यात्रा के केरल से निकलने के तुरंत बाद पार्टी में आंतरिक गुटबाजी फिर से सतह पर आ गई। हालांकि, पड़ोसी राज्य कर्नाटक में सिद्धारमैया, डी के शिवकुमार जैसे नेताओं की तनातनी अब भी शांत है। इस यात्रा की एक अन्य उपलब्धि यह है कि इसने जमीनी स्तर पर काम करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नई उम्मीद दे दी है। पार्टी के विभिन्न स्तरों के नेता इस बात से रोमांचित हैं कि वे अपने नेता से हाथ मिला सकते हैं, उनकी तस्वीरें ले सकते हैं और उनके साथ चल सकते हैं।

चौथी बात, इस यात्रा ने आम लोगों, सामाजिक हित समूहों, नागरिक समाज के सदस्यों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को लामबंद किया है, जो खुद को हाशिये पर और पूरे देश में फैल चुकी आक्रामक दक्षिणपंथी राजनीति से मुकाबले में सक्षम नहीं पाते हैं। वे इस बात से संतुष्ट हो सकते हैं कि ध्रुवीकरण के बावजूद वे महंगाई, स्वास्थ्य और शिक्षा पर बात कर रहे हैं। यही नहीं, इस यात्रा ने कुछ जगहों पर जातिगत तनाव को दूर करने में भी सफलता पाई है, क्योंकि राहुल गांधी लोगों की चिंताओं और मतभेदों को सुन रहे हैं और उनका समाधान निकाल रहे हैं।

ये सारी बातें अपनी जगह ठीक हैं। मगर सवाल यह है कि क्या यह कवायद राहुल गांधी और कांग्रेस को 2024 के संसदीय चुनावों में अपनी खोई हुई जमीन हासिल करने में मदद पहुंचाएगी? फिलहाल इसका सही-सही जवाब नहीं दिया जा सकता, क्योंकि देश के मतदाताओं की सोच महज एक यात्रा से नहीं बदल सकती। पार्टी को इसके बाद की कार्ययोजना भी बनानी चाहिए, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा व आरएसएस का पलटवार कांग्रेस के अर्जित लाभ को खत्म कर सकता है। कांग्रेस को एक ऐसी रणनीति के साथ सामने आना होगा, ताकि मतदाताओं में प्रधानमंत्री मोदी का आकर्षण कम हो सके।

चुनावी तौर पर लोकसभा के 130 सदस्य पांच दक्षिणी राज्य और एक केंद्रशासित क्षेत्र से आते हैं। इनमें से भाजपा ने 2019 में 29 सीटें जीती थीं। इसी कारण, पार्टी आक्रामक राजनीति करके अधिकाधिक लाभ कमाना चाहती है। तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में उसे एक भी सीट नहीं मिली थी। मगर केरल में वोट शेयर बढ़ने से वह संतुष्ट थी, क्योंकि यहां वामपंथी दलों और कांग्रेस का दबदबा है। चूंकि यहां कांग्रेस में भीतरी गुटबाजी तेज है, इसलिए भाजपा इसमें अपने लिए अवसर देख पूरी ताकत झोंक देगी। यही वजह है कि कांग्रेस को अपनी दरारों से पार पाने और 2019 में केरल में जीती गई 16 सीटों को बचाने के प्रयास करने होंगे।

पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में द्रमुक के साथ गठबंधन की बदौलत कांग्रेस लोकसभा की आठ सीटें जीतने में सफल रही थी। मगर यहां भी उसे अपनी सीटों को भाजपा के हाथों में फिसलने से रोकना होगा, जिसने यहां एक बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। कर्नाटक में भाजपा के पास 25 सीटें हैं, तो तेलंगाना में चार। दोनों ही राज्यों में पार्टी लगातार हिंदुत्व का मसला उठा रही है, हालांकि कांग्रेस को यहां कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है, क्योंकि राहुल गांधी की यात्रा ने कर्नाटक व तेलंगाना में पार्टी का कायाकल्प किया है।

इस यात्रा की राह काफी सावधानी से चुनी गई है, और रास्ते में राहुल जिन लोगों से बातचीत करते हैं, उनका चयन पहले कर लिया जाता है। एक बार जब राहुल उन लोगों से मिल लेते हैं, तो कांग्रेस की डिजिटल मीडिया टीम उनकी तस्वीरों व सूचनाओं के साथ आगे के काम में जुट जाती है। मगर स्थानीय पार्टी समितियों के सामने असली चुनौती बाद में भी उन लोगों से संवाद बनाए रखने और कार्यकर्ताओं व समर्थकों का उत्साह कायम रखने की है। हिंदुत्व की अवधारणा बेशक उत्तर भारत में भाजपा के लिए फायदेमंद रही है, लेकिन दक्षिण के राज्य इसका विरोध करते रहे हैं।

कांग्रेस को उम्मीद है कि अगर राहुल इस यात्रा में अपनी कुछ कमियों से पार पा लेते हैं, तो पार्टी 2024 में अपने लिए बेहतर संभावना देख सकती है। कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश तो 'भारत जोड़ो यात्रा' को सफल घोषित कर चुके हैं। मगर यह याद रखना पार्टी के हित में होगा कि खेवैया यदि सुस्त पड़ जाए, तो मझधार पार करने के बाद भी कश्ती डूब सकती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जलवायु पर बनी कुछ सहमति, पर आगे राह आसान नहीं

अनिल प्रकाश जोशी

जलवायु बचाव पर केंद्रित एक और विश्व सम्मेलन संपन्न हो गया। मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित कॉप-27 एक ऐसे ऐतिहासिक करार पर पहुंचा है, जिससे उम्मीदें बढ़ गई हैं। इसमें 200 से ज्यादा देश जुटे थे। पिछली बार ऐसा ही सम्मेलन ग्लास्गो में संपन्न हुआ था, पर ताजा सम्मेलन ज्यादा बेहतर रहा है। पुराने अनुभवों और लगातार चल रही बहसों को मिलाकर एक बात यह सामने आती है कि इस तरह के सम्मेलन विभिन्न देशों के बीच सहयोग के बजाय विभिन्न देशों के बीच संघर्ष या मतभेद में बदल जाते है। साफ तौर पर दुनिया दो पक्षों में दिखाई देने लगती है, एक ओर, जहां विकसित देश हैं, वहीं दूसरी ओर गरीब और विकासशील देश खड़े नजर आते हैं। सब अपने-अपने विकास के लिए चिंतित हैं और चिंता का मुख्य मुद्दा बन जाता है कार्बन डाई-ऑक्साइड या कार्बन उत्सर्जन। इस बार भी सम्मेलन में वही सब कुछ हुआ है, जैसा हमने पहले देखा है, परस्पर खींचतान की स्थिति ही ज्यादातर समय बनी रही।

यह खींचतान इसलिए भी बनी रहती है, क्योंकि कुछ विकसित देशों को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश होती है। इस बार भी ऐसे 20 देश चिह्नित किए गए हैं, जिनसे कार्बन उत्सर्जन ज्यादा हो रहा है, जिसमें अपना देश भी शामिल है। इस तरह के सम्मेलन में मुद्दों को उठाने के तौर-तरीकों में शायद हम एक बेहतर पहल नहीं कर पाते हैं। उदाहरण के लिए, विकसित देशों ने अगर अपने हिस्से का विकास कर लिया हो, जहां जीवन स्तर ऊंचे दर्जे का हो गया हो, तो स्वत उनको अपनी सीमाएं तय कर लेनी चाहिए। इसके समानांतर जो विकासशील या गरीब देश हैं, उन्हें कोई भी ऊर्जा का स्रोत उपयोग में लाने की मंजूरी देनी चाहिए, ताकि वहां भी लोग औसत जीवन स्तर तक पहुंच जाएं।

अगर यह मानकर चला जाए कि दुनिया में सबसे बेहतर जीवन स्तर किसका है, तो उसमें अमेरिका आता है और वही सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक भी है। उसी तरह अब जब दुनिया के बहुत से देश जैसे चीन, जो अपनी प्रगति के लिए देश-दुनिया में जाना जाता है, और उसकी जीडीपी सबको पीछे छोड़ती दिखाई देती है, वह भी कार्बन उत्सर्जन में बहुत आगे है। चीन कार्बन उत्सर्जन में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर आता है।

दुनिया की 43 प्रतिशत आबादी बड़े पैमाने पर जलवायु परिवर्तन से प्रभावित होने वाली है या हो चुकी है। यह माना गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को 1.6 अरब डॉलर का नुकसान हो चुका है। हर बार हम साथ बैठते हैं, समितियां बनाई जाती हैं, इस बार भी 23 देशों की समिति बनी है। यह समिति विभिन्न पक्षों से बात करने के बाद जलवायु कोश बनाने की सिफारिश करेगी। जलवायु कोश की मांग लंबे समय से उठती आ रही है। पहले जब यह बात हुई थी, अमेरिका और ब्राजील पीछे हट गए थे। इस प्रस्ताव से अभी भी अनेक देश सहमत नहीं हैं, तो आगे भी इस कोश की राह आसान नहीं होगी। विकसित देशों की कथनी-करनी में अंतर है। यहां सवाल है कि हम इस तरह के विवादों में पड़ते हुए कब तक समय खराब करेंगे? समझ लेना चाहिए कि पृथ्वी का तापमान अगर ऐसे ही बढ़ता रहा, तो मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी और आने वाले सात-आठ दशक में दुनिया रहने लायक नहीं रह जाएगी। तब न कोई कॉप हमारे काम आएगा और न कोई पहल। सब देशों को मिलकर सोचना चाहिए कि हर देश अपने स्तर पर क्या कदम उठा सकता है। अगर हम सामूहिक रूप से नहीं सोच पा रहे हैं, तो हमें अलग-अलग भी सोचना चाहिए।

दिल्ली की खराब आबोहवा के लिए हम अमेरिका या मिस्र को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं? स्थानीय गतिविधियां ज्यादा दोषी होती हैं। अभी हमारे देश में वायु प्रदूषण अपनी चरम सीमा पर है। हमारे शहर बहुत गंभीर हालात में पहुंच चुके हैं। हमें जलवायु सुधार पर केंद्रित गोष्ठियों के भरोसे ही नहीं रहना चाहिए, अपने आस-पास सुधार के छोटे-बड़े प्रयास युद्ध स्तर पर जारी रखने चाहिए। कड़े और बड़े कदम उठाना जरूरी है। यदि हम अपने स्तर पर प्रयास करें, तो जलवायु से होने वाले नुकसान को 60 प्रतिशत तक सीमित कर सकते हैं। क्या भारत स्थानीय स्तर पर पहल करेगा और फिर अगले जलवायु सम्मेलन में दुनिया को रास्ता दिखाएगा?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

लोकतन्त्र की अवहेलना

सीमा-प्रांत के कांग्रेसी मंत्रिमंडल को पाकिस्तान के गवर्नर-जनरल जिन्ना के आदेश पर बर्खास्त कर दिया गया। सीमा-प्रांत के पाकिस्तान डोमीनियन में शामिल कर दिये जाने के बाद किसी को भी यह आशा न रह गई थी कि वहां कांग्रेसी मत्रिमंडल अधिक समय तक पदारूढ़ रह सकेगा। इसलिए अब उसकी बर्खास्तगी पर किसी को आश्चर्य न होगा। पाकिस्तान के गवर्नर-जनरल जिन्ना ने सीमा-प्रांत के मत्रिमंडल को बर्खास्त करने का जो आदेश भेजा उसमें इस कार्रवाई का कोई कारण नहीं बताया गया है। किन्तु कहा जाता है कि सीमा-प्रांत के कांग्रेसी मंत्रिमंडल ने पाकिस्तान के प्रति वफादारी की शपथ नहीं ली और 15 अगस्त को जब पाकिस्तान के झण्डे को सलामी दी गई, तब भी मंत्री लोग अनुपस्थित रहे। जिन्ना ऐसे मंत्रिमंडल को कैसे सहन करते, अत उन्होंने इस कांटे को इस प्रकार अपने मार्ग से हटा दिया।

धाराशास्त्रियों को जिन्ना के इस कार्य पर आश्चर्य हो रहा है। उनका कहना है कि यह भारतीय स्वाधीनता कानून की भावना के विरुद्ध है, जिसके अनुसार गवर्नर-जनरल और गवर्नरों को विशेषाधिकार देने वाली धाराओं को रद्द कर दिया गया है। जिन्ना ने सन् 1935 के विधान की धारा 51 की उपधारा 5 का आश्रय लिया है, जो भारतीय डोमीनियन में तो हटा दी गई है, किन्तु पाकिस्तान डोमीनियन के लिए कायम रखी गई है। यह लोकतंत्री परम्पराओं के विरुद्ध है और गवर्नर-जनरल को ऐसे मंत्रिमंडल को भी बर्खास्त करने का अधिकार देती है, जिसे धारासभा के बहुमत का विश्वास प्राप्त हो। सीमा-प्रांत के कांग्रेसी मंत्रिमंडल को भी धारासभा के बहुमत का विश्वास प्राप्त था और इसलिए यदि जिन्ना को लोकतंत्री परम्पराओं का अनुसरण करना मंजूर होता तो वह मंत्रिमंडल को बर्खास्त करने के बजाय धारासभा को भंग करवा देते और उसका नया चुनाव कराने की व्यवस्था करते। उस अवस्था में पता चलता कि सीमा-प्रांत के मतदाताओं की असली राय क्या है और वे कौन सी पार्टी का समर्थन करते हैं। यद्यपि जिन्ना लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, किन्तु उन्होंने सीमा-प्रांत में तत्काल नया चुनाव कराने का साहस नहीं किया। मंत्रिमंडल स्थापित करके वह लीग पार्टी की स्थिति को सुदृढ़ बना लेना चाहते हैं।

जिम्मेदारी और कार्यशक्ति

जिम्मेदारी की सरहदों को जब आप हटा देंगे, तो आप हर संभव काम कर सकते हैं। जो लोग ऐसा सोचते हैं कि 'मैं इसके लिए जिम्मेदार नहीं', वे उस काम को भी नहीं करते, जो उनसे हो सकता है। यह सही है कि जिम्मेदारी की कोई सीमा नहीं, लेकिन आपकी कार्यशक्ति सीमित होती है। भले ही आप 'सुपरमैन' हों, काम करने की आपकी क्षमता एक सीमा के अंदर होती है। जिम्मेदारी अलग चीज है और कर्तव्य अलग चीज। जो लोग दोनों का अंतर नहीं समझ पाते, वे जिम्मेदारी का नाम लेते ही तनाव में आ जाते हैं। याद रखें, आप अपनी क्षमता के अंदर ही कार्य कर सकते हैं। आप किसी दूसरे व्यक्ति के समान काम नहीं कर सकते, क्योंकि उनकी क्षमता अलग तरह की है। आपकी बुद्धि, क्षमता, परिवेश जैसे कई मानदंडों के आधार पर आपको काम सौंपने का निर्णय किया जाता है, लेकिन जिम्मेदारी लेने के निर्णय का दारोमदार आपकी इच्छा पर ही है। वहां और कोई अड़चन नहीं है।

जिम्मेदारी को काम के रूप में समझने की वजह से वह भार जैसा लगता है। क्या आप सारे कामों को निभा सकते हैं? कई मौकों पर आप कुछ भी किए बिना बैठे रहें, वह भी तो जिम्मेदारी ही है। लेकिन असीम उत्तरदायित्व भावना में रहते समय आपकी कार्यशक्ति सहज रूप से विकसित होती है। तब कोई हिचक या डगमगाहट नहीं होती। सड़क पर खेल रहा आपका बच्चा जब गिर पड़ा, आपने भागे-भागे जाकर उसे उठाकर अपने आगोश में ले लिया, उस समय आपके अंदर कोई हिचक नहीं हुई। क्यों? आपने उसकी पूरी जिम्मेदारी ले रखी है। लेकिन पड़ोसी के बच्चे के गिरने पर कुछ लोग मूर्खतापूर्ण ढंग से गलत हिसाब लगाते हैं, 'क्या मैं उसके लिए जिम्मेदार हूं? उत्तरदायित्व पर लगाई सीमाओं को जब आप तोड़कर हटा देते हैं, तब आपकी कार्यशक्ति अपने आप विकास पाती है। आपकी संपूर्ण कार्यक्षमता प्रकट होती है। आप यही तो चाहते हैं। जिम्मेदारी की सरहदों को जब आप हटा देंगे, तो जो भी संभव होगा, आप अवश्य करेंगे। जो काम आपसे संभव नहीं, उसे आप कर नहीं सकते, पर आपसे जो काम हो सकता है, उसे जरूर कर देंगे।

जो लोग ऐसा सोचते हैं कि 'मैं इसके लिए जिम्मेदार नहीं हूं', वे उस काम को भी नहीं करते, जो उनसे हो सकता है। इस तरह के जीवों के जिंदा रहने का प्रयोजन ही क्या है? अपनी जिम्मेदारी का असीम रूप से अनुभव करते समय आपके कार्य करने का बटन आपके हाथ में है। आपकी संपूर्ण क्षमता आपके अंदर से प्रकट होती है। जब आप अपनी संपूर्ण क्षमता से सक्रिय होंगे, आनंद से रहेंगे, पूर्णता में रहेंगे।

यह जरूरी नहीं कि आप यहां कही गई किसी बात पर आंखें मूंदकर विश्वास करें। आप इनका अपने जीवन में प्रयोग करके देख सकते हैं। 'जिम्मेदारी की सीमा नहीं होती' यह न कोई तत्व-वाक्य है, न ही उपदेश। यह बुनियादी सच्चाई है।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव

ताकि तिहाड़ पर न लगे दाग

एशिया में तिहाड़ सबसे सुरक्षित जेल मानी जाती है, लेकिन पिछले कुछ समय से यहां की व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। आखिरकार क्या वजह है कि जिस जेल का नाम सुनकर खूंखार बदमाश तक कांप जाते थे, वहां से अब मालिश व मसाज करने वाले वीडियो आ रहे हैं? इससे तिहाड़ जेल की प्रतिष्ठा पर दाग लग रहा है। जाहिर है, यहां के नियमों को सख्त बनाना अनिवार्य है। किसी भी कैदी को 'वीआईपी ट्रीटमेंट' देने से बचना होगा। पूर्व में यहां मोबाइल आदि पकड़े जाते रहे हैं, जिससे यह तो स्पष्ट है कि यहां प्रशासनिक स्तर पर कुछ न कुछ गड़बड़ियां हैं। मगर अब ताजा वीडियो बताते हैं कि यहां का प्रशासन बिल्कुल निश्चिंत हो गया है। तिहाड़ की यह तस्वीर बदलनी चाहिए। इसका ध्यान जरूर रखा जाना चाहिए कि इसकी छवि किसी तरह से खराब न हो।

-विजय कुमार धानिया

जेल या सुविधागृह

ऐसा लगता है कि तिहाड़ में 'बहार' है। शायद राजनीति में सब कुछ माफ है और 'सजा' में भी अपराधी 'मजा' कर सकता है। तभी तो मंत्री जी को हर तरह की सुविधाएं मिल रही हैं।

-शकुंतला महेश नेनावा

बीमार को इलाज मिलना ही चाहिए

यह इंसानियत का तकाजा है कि यदि कोई बीमार है, तो उसे इलाज मिलना चाहिए। मगर आरोप है कि तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली सरकार के मंत्री को 'वीआईपी' सुविधा दी जा रही है। आरोप लगाने वालों को समझना चाहिए कि वह गिरने से चोटिल हुए हैं और उन्हें फिजियोथेरेपी की जरूरत है। फिर, तिहाड़ जेल की व्यवस्था इतनी कमजोर भी नहीं कि वहां के वीडियो यूं बाहर आ जाएं। स्पष्ट है, यह एक सोची-समझी साजिश है। यह षड्यंत्र रचने वाले न सिर्फदिल्ली सरकार को बदनाम करना चाहते हैं, बल्कि तिहाड़ जेल की छवि को भी खराब करना चाहते हैं। मगर उनकी यह मंशा सफल नहीं हो सकती। तिहाड़ एक ऐसी जेल है, जहां कैदियों के अधिकारों का पूरा ख्याल रखा जाता है। मंत्री को भी स्वास्थ्य जरूरत के हिसाब से सुविधाएं दी जा रही होंगी।

पौरुष

आखिर क्यों जारी हुए वीडियो

दिल्ली सरकार के मंत्री का वीडियो आखिर क्यों जारी किया गया? असल में, ढाई साल पहले एक शोध पत्रकार ने अपने एक अध्ययन में पाया कि मंत्री और उनकी पत्नी एक सफल जीवन छोड़कर 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' से जुड़े, जो बताता है कि वह पैसे के लिए नहीं, देशसेवा के लिए काम कर रहे हैं। दिल्ली में 'मोहल्ला क्लीनिक' उन्हीं का आइडिया था। इसके लिए भूमि खोजने और सेवानिवृत्त डॉक्टरों की सेवा लेकर इसे लागू करने की राह में कई बाधाएं थीं, लेकिन आज इस योजना का पूरी दुनिया में डंका बज रहा है। इतना ही नहीं, मंत्री साहब ने स्कूल, अस्पताल वगैरह के लिए भी जमीनें खोजीं, क्योंकि दिल्ली में भूमि केंद्र सरकार के अधीन हैं और उसने राज्य सरकार को जमीन देने में उत्सुकता नहीं दिखाई। साफ है, मंत्री सुशासन के एक मजबूत सिपाही हैं, जिसके कारण उनको बदनाम किया जा रहा है।

सौरभ शुक्ला

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX ITR फाईल बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

सहकारिता लाभ का व्यवसाय नहीं बल्कि सेवा का कार्यः बैजनाथ चन्द्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अपेक्स बैंक अध्यक्ष श्री बैजनाथ चन्द्राकर ने छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या, रायपुर व जिला सहकारी संघ रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में 69वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के समापन कार्यक्रम में कहा कि सहकारिता लाभ का व्यवसाय नहीं बल्कि सहकार कल्याण करने का कार्य करती है।

उन्होंने कहा कि अमूल, इफ्को, कृभको, नेफेड जैसी राष्ट्रीय स्तर की संस्थाएं भारत में ही नहीं बल्कि विश्व में अपनी सेवा और क्वालिटी के कारण प्रसिद्ध है। छत्तीसगढ़ की सहकारिता को भी इस स्तर तक पहुंचाने के लिए सहकार की भावना के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। छत्तीसगढ़ की सरकार, सहकार के साथ सामंजस्य स्थापित कर गांव, गरीब और किसानों की मदद करना चाहती है। जिसका परिणाम है कि गोबर एवं गोमूत्र खरीदी कर सहकारिता के माध्यम से किसानों के खेतों तक जैविक उत्पाद उपलब्ध कराने का काम हो रहा है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए सहकारीजनों की उपस्थिति में सहकारिता आन्दोलन को गति देने तथा सहकारिता को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर के अध्यक्ष श्री पंकज शर्मा ने की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद अध्यक्ष श्री सुरेंद्र शर्मा, विशिष्ट अतिथियों में राज्य सहकारी संघ उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह भाटिया, जिला पंचायत रायपुर की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती शारदा वर्मा, राज्य संघ विशेषज्ञ संचालक हरिश तिवारी, मानसेवी संचालक अश्विनी बबलू त्रिवेन्द्र एवं श्रीमती शोभा चाहिल उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा ने छत्तीसगढ़ में सहकारिता के जनकों में से एक वामन राव लाखे द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में किए गए प्रयासों को याद किया। उन्होंने सहकारिता को सुख-दुःख बांटने का जरिया बताते हुए हर संकट के दौर को सहकारिता से दूर कर आर्थिक, सामाजिक विकास की ओर अग्रसर होने का आवाहन किया। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रायपुर के अध्यक्ष श्री पंकज शर्मा ने ग्रामीणजन तक पहुचने के दो मार्ग पंचायत और सहकारिता को बताते हुए कहा कि देश के निर्माण में सहकारिता क्षेत्र में अमूल और महाराष्ट्र की शक्कर सहकारिताओं का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि धान के कटोरे छत्तीसगढ़ की सरकार ने किसानों का कर्ज माफ करके तथा उनकी फसलों की पूरी कीमत देकर उन्हें समृद्ध बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

राज्य सरकार का यह कार्य देश में कृषि माडल का उदाहरण बनता जा रहा है। कार्यक्रम को राज्य सहकारी संघ के प्रबंध संचालक एनआरके चंद्रवंशी एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एसपी चन्द्रकार ने भी आज के विषय वित्तीय समावेशन पैक्स का डिजिटलीकरण और सुदृढ़ सहकारी डेटाबेस पर अपने विचार रखे।

धान खरीदी का आंकड़ा 10 लाख मीट्रिक टन पार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी का आंकड़ा 21वें दिन 10 लाख मीट्रिक टन को पार कर गया है। राज्य सरकार की धान खरीदी के समुचित व्यवस्था के चलते किसान उत्साह के साथ धान खरीदी केन्द्रों में पहुंच रहे हैं। धान बेचने के लिए अब उन्हें लम्बा इंतजार नहीं करना पड़ रहा है।

धान खरीदी के एवज में किसानों को 2100 करोड़ से अधिक की राशि भुगतान की गई है। धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए उठाव चल रहा है। अब तक 4 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान का उठाव समितियों से किया जा चुका है। सरकार द्वारा इस वर्ष 110 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन का अनुमान है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा धान बेचने वाले किसानों की सुविधा के लिए टोकन तुंहर हाथ एप बनाया गया है। इसके जरिए किसान ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर सकते हैं इसके अलावा मेन्युअल तरीके से अग्रिम में टोकन दिया जा रहा है, जिसके फलस्वरूप किसानों का धान सुविधाजनक ढंग से खरीदने का काम हो रहा हैं। 21 नवंबर को 35 हजार 742 किसानों से 1 लाख 22 हजार 753 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है, इसके अलावा ऑनलाइन प्राप्त टोकन के जरिए किसानों से 20 हजार मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी की गई। आगामी दिवस की धान खरीदी के लिए राज्य में 47 हजार 427 टोकन तथा टोकन तुंहर हाथ एप के जरिये 6082 टोकन ऑनलाइन जारी किए गए हैं।

खाद्य विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के 21 दिनों में किसानों से समर्थन मूल्य पर 10 लाख 13 हजार 880 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। अब तक तीन लाख 229 किसानों को धान के एवज में 2109.81 करोड़ रूपए की राशि बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत जारी कर दिया गया है। अधिकारी धान खरीदी व्यवस्था पर निरंतर निगरानी रखे हुए हैं। सीमावर्ती राज्यों से अवैध धान परिवहन को रोकने के लिए चेक पोस्ट के जरिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

खाद्य सचिव ने बताया कि राज्य समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए चालू सीजन में प्रदेश में 25.92 लाख किसानों का पंजीयन हुआ है, जिसमें लगभग 2.21 लाख नये किसान है। राज्य में धान खरीदी के लिए 2560 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। इस साल किसानों से सामान्य धान 2040 रूपए प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान 2060 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। अब तक 7 लाख 64 हजार 067 मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डी.ओ. जारी किए गए हैं, जिसके एवज में उपार्जन केंद्रों से 4 लाख 30 हजार 632 मीट्रिक टन धान का उठाव हो चुका है।

खास खबर

कलेक्टर ने जन चौपाल में जानी नागरिकों की समस्याएं, किया यथा सम्भव समाधान

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने सोमवार को अपने कार्यालय कक्ष में जन चौपाल के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने जन चौपाल के माध्यम से जिले के दूरदराज के क्षेत्रों से आए नागरिकों, ग्रामीण जनों, महिलाओं की समस्याओं को सुना और आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। आज 25 से अधिक लोगों ने आवेदन दिया। इन आवेदनों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए कलेक्टर डॉ भुरे ने संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर वस्तु स्थिति की जानकारी ली और यथासंभव कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। आज जन चौपाल में मंदिर हसौद के प्रेम शंकर वर्मा ने जमीन विक्रय की राशि दिलाने के लिए आवेदन किया, इसी प्रकार ग्राम भुरसुदा के गुरुशरण वर्मा ने भूमि अधिकार पत्र के आधार पर कब्ज़ा की गयी भूमि वापिस दिलाने के लिए आवेदन किया जिस पर कलेक्टर ने एस.डी.एम आरंग को फोन कर तुरंत कार्यवाही के निर्देश दिए। तिल्दा तहसील के ग्राम सासाहोली के ग्रामवासियों ने निस्तारी तालाब और देव स्थान में दखल नियंत्रण पाने के लिए आवेदन दिया जिसपर कलेक्टर ने प्रकरण को उचित प्रतिवेदन के लिए भेजने की जानकारी दी। इसी तरह जनचौपाल में लाखेनगर की बेनु बाई ने मकान का कब्जा दिलाने, भुरसुडा के अरुण बंटवारे के सन्दर्भ में , बिरगांव के पार्षद संतोष साहू ने पीवीसी टैंक के स्थापना के लिए वित्तीय स्वीकृति राशि प्रदान करने, ग्राम बंगोली के केशव साहू ने अधिक बिजली बिल वसूलने की शिकायत लेकर, नवागांव के ग्रामवासियों ने अवैध मुरुम खनन का कार्य रोकने, ग्राम टेकरी के सरपंच गुलान सिंह वर्मा ने अवैध कब्ज़ा हटाने, अकोली के सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश कुमार दीवान ने सिलतरा औद्योगिक क्षेत्र के मालवाहक वाहनों की नियमित जांच करवाने आवेदन दिया।

प्रगति मैदान में छत्तीसगढ़ की संस्कृति की बिखरी छंटा

छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों ने देश की राजधानी दिल्ली में बांधा समां

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान में छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से समां बांधा। मौका था भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ राज्य दिवस पर सांस्कृतिक संध्या का, जहां एमफी थियेटर में छत्तीसगढ़ की लोक कला व संस्कृति की अनुपम छंटा बिखरी। कार्यक्रम का उदघाटन छत्तीसगढ़ के खाद्य एवं संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत ने किया। इससे पूर्व खाद्य व संस्कृति मंत्री ने छत्तीसगढ़ पवेलियन का अवलोकन किया, जहां अलग-अलग स्टॉलों का भ्रमण कर कलाकारों से जानकारी ली एवं उन्हें प्रोत्साहित किया।

वहीं उन्होने कहा कि हमारी संस्कृति मिट जाएगी तो हमारी पहचान ही खत्म हो जाएगी। इसलिए बदलते परिवेश व विषम परिस्थिति में भी अपनी संस्कृति को बचा कर रखना है। इस तरह के आयोजन का अपनी संस्कृति, लोक कला के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान है।

प्रगति मैदान के एमफी थियेटर में छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति व कला के बड़ी संख्या में लोग आज साक्षी बने। दर्शकों ने भी भरपूर तालियां बजाकर कलाकारों का प्रोत्साहन किया। छत्तीसगढ़ से आये कलाकारों ने छत्तीसगढ़ में विभिन्न उत्सवों, तीज त्योहारों पर किए जाने वाले नृत्यों की प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक संध्या में खाद्य व संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत भी खुद को रोक नहीं सके। मंच पर पहुँच कर उन्होंने भी कलाकारों के साथ मांदर पर थाप दिया।

भिलाई से आए लोक रागनी दल के कलाकारों ने सबसे पहले देवी पूजन से नृत्य की शुरुआत की, जिसमें देवी द्वारा राक्षस के नरसंहार को दिखाया गया। महिला कलाकारों द्वारा भोजली नृत्य के बाद सुआ नृत्य के माध्यम से छत्तीसगढ़ की नृत्य कौशल को प्रस्तुत किया।

सुआ नृत्य मूलतः महिलाओं और किशोरियों का नृत्य है। इस नृत्य में महिलाएं एक टोकरी में सुआ (मिट्टी का बना तोता) को रखकर उसके चारों ओर नृत्य करती हैं और सुआ गीत गाती हैं। हाँथ से या लकड़ी के टुकड़े से ताली बजाई जाती है। इस नृत्य के समापन पर शिव गौरी विवाह का आयोजन किया जाता हैं। जिसके बाद गेंडी नृत्य की प्रस्तुति की गयी। यह पुरुष प्रधान नृत्य है, जिसमें पुरुष तीव्र गति से व कुशलता के साथ गेड़ी पर शारीरिक संतुलन को बरकरार रखते हुए नृत्य करते हैं।

यह नृत्य शारीरिक कौशल और संतुलन को प्रदर्शित करता है। बस्तर के जनजातियों द्वारा किये जाने वाले परब नृत्य की प्रस्तुति दी। यह नृत्य बस्तर में निवास करने वाले धुरवा जनजाति के द्वारा किया जाता है। इस नृत्य को सैनिक नृत्य कहा जाता है, क्योंकि नर्तक नृत्य के दौरान वीरता के प्रतीक चिन्ह कुल्हाड़ी व तलवार लिए होते हैं। इस नृत्य का आयोजन मड़ई के अवसर पर किया जाता है। वहीं, बस्तर के मारिया जनजाति के द्वारा जात्रा पर्व पर किए जाने वाला गौर नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस नृत्य में युवक सिर पर गौर के सिंह को कौड़ियों से सजाकर उसका मुकुट बनाकर पहनते हैं। अतः इस नृत्य को गौर नित्य भी कहा जाता है। इस नृत्य में केवल पुरुष भाग लेते हैं। महिलाओं द्वारा केवल वाद्य यंत्र को बजाया जाता है जिसे तिर्तुडडी कहते हैं। इसके साथ ही कलाकारों ने छत्तीसगढ़ का पारम्परिक नृत्य करमा की प्रस्तुति डी। इसे करमा देव को प्रसन्न करने के लिए किया जाता है।

इस नृत्य में पारंपरिक पोषक पहनकर लोग नृत्य करते है और छत्तीसगढ़ी गीत गाते है। सबसे अंत में उपकार पंथी नृत्य दल के कलाकारों ने नृत्य के माध्यम से गुरु घासीदास के संदेशों को लोगों तक पहुंचाया। यह नृत्य कई चरणों और पैटर्न का एक संयोजन है। यह नृत्य न केवल इस क्षेत्र के लोक नृत्य के सबसे महत्वपूर्ण रूपों में से एक है, बल्कि इसे छत्तीसगढ़ के सतनामी समुदाय का एक प्रमुख रिवाज या समारोह भी माना जाता है। यह नृत्य अक्सर समुदाय द्वारा माघ पूर्णिमा में होने वाले गुरु घासीदास की जयंती के उत्सव के दौरान किया जाता है।

पुरूष नसबंदी पखवाड़ा के अवसर पर सीएचसी लोईंग में कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर रानू साहू के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मधुलिका सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में आज दिनांक 21 नवंबर 2022 को पुरुष नसबंदी पखवाड़ा के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोईंग के सभाकक्ष में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। पुरुष नसबंदी पखवाड़ा का थीम- 'अब पुरुष निभाएंगे जिम्मेदारी, परिवार नियोजन अपनाकर दिखाएंगे अपनी भागीदारी' विषय पर आधारित है।

इस मौके पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर एस.टोप्पो तथा डॉ.राजेश मिश्रा उपस्थित रहे। पुरूष नसबंदी पखवाड़ा के अवसर पर सीएमएचओ डॉ.ठाकुर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं ग्रामीण स्तर पर प्रचार के लिए जनजागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उक्त कार्यक्रम के तहत संपर्क एवं जागरूकता सप्ताह 21 से 27 नवंबर तक और सेवा प्रावधान सप्ताह 28 नवंबर से 4 दिसंबर तक मनाया जाना है। उक्त कार्यशाला में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.हितेश जायसवाल के द्वारा पुरुष नसबंदी के स्थाई एवं अस्थाई साधन के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान किया गया। विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक वैभव डियोडिया के द्वारा बताया गया कि नसबंदी के बाद किसी भी प्रकार की कमजोरी या थकान नहीं होती है एवं व्यक्ति अगले ही दिन से अपने काम में जा सकता है। एनएसव्हीटी-पखवाड़ा के अंतर्गत पुरुष नसबंदी हेतु एनएसव्हीटी उपाय के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए बताया गया कि यह एक बहुत ही विश्वसनीय, आसान, स्थाई और सुरक्षित तरीका है तथा इस विधि में ना तो चिरा लगता है और ना ही टाका लगता है और व्यक्ति 5 मिनट के इस प्रक्रिया के पश्चात 1 घंटे के बाद घर जा सकता है। नसबंदी के बाद सामान्य दैनिक कार्य किए जा सकते हैं एवं शारीरिक शक्ति एवं फूर्ति पूर्व की भांति यथावत बनी रहती है। परिवार को अनचाहे गर्भ के चिंता से मुक्ति मिल जाती है जीवनसाथी को महिला नसबंदी के बोझ से मुक्ति मिल जाती है। पखवाड़े में सबसे अधिक नसबंदी ऑपरेशन कराने तथा हितग्राहियों को इस अभियान में जोडऩे हेतु, उम्मेद राम पटेल की सराहना करते हुए निर्देश दिए गए।

लोगों की आय में वृद्धि के साथ छत्तीसगढ़ को बनाया जा रहा एक समृद्ध राज्यः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल न्यूज चैनल 'भारत-24' द्वारा राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित शिखर सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम में परिचर्चा के दौरान कहा कि हमारी सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को एक समृद्ध और सशक्त राज्य बनाने के लिए हर संभव पहल की जा रही है। इसके तहत यहां निवासरत हर वर्ग के लोगों की आय में वृद्धि हमारा मुख्य ध्येय है। इनमें किसानों के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना, पशुपालको के लिए गोधन न्याय योजना, भूमिहीन गरीब मजदूरों के लिए राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना तथा आदिवासी-वनवासियों के लिए लघु वनोपजों की समर्थन मूल्य पर खरीदी जैसे जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू कर इनका बेहतर ढंग से क्रियान्वयन हो रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप प्रदेश में सभी वर्ग के लोगों को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिल रहा है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आगे बताया कि इनके साथ-साथ नरवा, गरवा, घुरवा एवं बाड़ी योजना, मिलेट मिशन, आत्मानंद शालाएं, हाट-बाजार क्लीनिक आदि योजनाओं से शिक्षा तथा स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में प्रगति दिखाई दे रही है। इससे लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं और उनकी आय में वृद्धि भी हो रही है।

इस तरह हमारी सरकार द्वारा पुरखों के सपने को साकार करते हुए छत्तीसगढ़ को एक समृद्ध तथा सशक्त राज्य के रूप में पहचान देने का कार्य निरंतर जारी है। इस अवसर पर लोक गायन के क्षेत्र में पद्मश्री-अनुज शर्मा, कबीर भजन गायन में पद्मश्री- भारती बंधु, लोक वादन (बस्तर बैंड) में पद्मश्री- अनूप रंजन पांडे सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य के लिए व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

व्हीटीपी पाठ्यक्रम के लिए 30 तक आवेदन आमंत्रित

रायगढ़। किरोड़ीमल शासकीय पालीटेक्निक रायगढ़ के प्राचार्य ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत व्हीटीपी पाठ्यक्रम (इलेक्ट्रिकल डोमेस्टिक साल्यूशन पॉवर) का नि:शुल्क प्रशिक्षण शुरू किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण में भाग लेने के इच्छुक उम्मीदवार किरोड़ीमल शासकीय पालीटेक्निक रायगढ़ में 30 नवम्बर तक आवेदन कर सकते है। प्रशिक्षणार्थी को कक्षा आठवीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इच्छुक अभ्यर्थी सभी अंक सूचियों एवं दस्तावेजों की मूल प्रति एवं एक छायाप्रति के साथ दो पासपोर्ट फोटो के साथ निर्धारित प्रारूप में आवेदन कर सकते है।

खास खबर

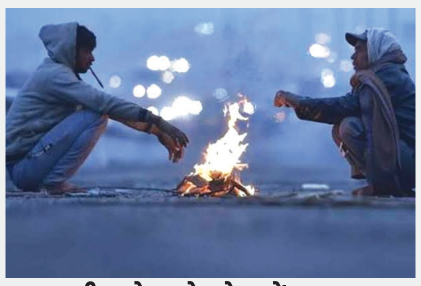

राजधानी समेत पूरे प्रदेश में चल रही शीतलहर

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में ठंड बढ़ गई है। न्यूनतम तापमान 14 डिग्री तक पहुंच गया है। आने वाले दिनों में ठंड सामान्य रहने की संभावना है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार प्रदेश में उत्तर से आ रही शुष्क हवा से राजधानी में ठंड बढ़ने लगी है। इसका असर दिन के तापमान पर भी पड़ रहा है।

फिलहाल दिन का तापमान भी 29 डिग्री के करीब पहुंच चुका है। हालांकि ये सामान्य के आस-पास है। रात का तापमान गिरने के कारण अच्छी ठंड महसूस होने लगी है। हवा में नमी भी खत्म हो गई है। बिलासपुर और पेंड्रारोड में रात का पारा 12 और 10 डिग्री तक है। दोनों जगह पर पारा सामान्य से 4 डिग्री तक कम है। इसलिए वहां ज्यादा ठंड महसूस की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को रायपुर में पारा 14 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है।

मुख्यमंत्री मितान योजनाः मितानों ने घर के पते पर पहुंचाए 27 हजार से अधिक दस्तावेज

रायपुर। नगरीय क्षेत्र में आम नागरिकों को अब घर बैठे ही महत्वपूर्ण शासकीय दस्तावेज मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री मितान योजना में 27 हजार से अधिक लोगों को उनके पते पर शासकीय दस्तावेज उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इस नई सेवा से लोगों को श्रम, समय और धन की बचत हो रही है साथ ही प्रमाण पत्रों को प्राप्त करने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से भी निजात मिल रही है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन में एवं नगरीय प्रशासन विकास विभाग द्वारा नागरिकों को सरकारी दस्तावेज बनवाने हेतु घर पहुंच सेवा 'मुख्यमंत्री मितान योजना' की शुरुआत 01 मई 2022 से प्रदेश के समस्त 14 नगर निगमों में प्रारंभ की गई थी। इस योजना में लोगों को 15 प्रकार की सेवाएं दी जा रही है। इनमें मूल निवासी प्रमाण पत्र, अनुसूचित जाति जनजाति प्रमाण पत्र, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, भूमि की रिकार्ड की नकल, (भूमि उपयोग) मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण और प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र सुधार और दुकान और स्थापना पंजीकरण संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। योजना में अब तक लगभग 65000 से अधिक नागरिकों ने दस्तावेज संबंधी जानकारी टोल फ्री नम्बर 14545 पर ली है। योजना के तहत घर बैठे दस्तावेज प्राप्त करने के लिए करीब 36000 अप्वाइंटमेंट अब तक बुक किए जा चुके हैं।

मछुआ समाज की सदैव रही है गौरवपूर्ण भूमिकाः भूपेश बघेल

नवा रायपुर के प्रमुख चौराहे का नामकरण मछुआरा समाज के महापुरूष के नाम पर होगा

विश्व मात्स्यिकी दिवस पर सरकार ने जारी की नई मछुआ नीति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि मछुआरा समाज की भूमिका प्राचीन काल से आज तक सदैव गौरवपूर्ण रही है। हमारी सरकार ने नवा रायपुर में प्रमुख चौक का नामकरण मछुआरा समाज के गौरव को बढ़ाने के लिए उनके महापुरूष के नाम पर करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि हमने मछली पालन को कृषि का दर्जा दिया है। इस फैसले से मछुआरा भाईयों से जीरो प्रतिशत उन्हे ऋण तथा अन्य सुविधाएं मिल रही हैं, मछुआ समाज की मंशा के अनुरूप नई मछुआ नीति तैयार की गई है, जिसकी घोषणा कर दी गई है। श्री बघेल पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में विश्व मात्स्यिकी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री बघेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य जिस प्रकार मछली पानी के बिना नही रह सकती उसी प्रकार निषाद समाज मछलियों के बिना नही रह सकते इसको ध्यान में रखते हुए हमने नई मछुआ नीति बनाई। साथ ही नरवा योजना के तहत हजारो तालाबों का निर्माण कराया है और नालों को रिचार्ज किया, जिससे भूमिगत जल के स्तर में बढ़ोतरी हुई है। दस हजार से अधिक गौठानो का निर्माण कराया, जहां मुर्गी पालन और मछली पालन भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि निषाद समाज सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त हो सके इसके लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने मछुआरा समाज से अपील करते हुए कहा कि मछुआरा समाज भी दो कदम आगे बढ़ाए और शासन के योजनाओं का लाभ लें।

कार्यक्रम में मछुआरा समाज के मछली पालन से जुड़े 31 हितग्राहियों को मोटर साइकिल सह आइस-बाक्स तथा 7 हितग्रहियों को चार पहियां वाहन का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में संसदीव सचिव कुंवरसिंह निषाद, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एम.आर निषाद व अन्य सदस्य दिनेश फुटान, देवकुमार निषाद, नरेश निषाद और मछली पालन विभाग के अधिकारी कर्मचारी तथा राज्य के विभिन्न जिलों से आए निषाद समाज के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बिलासपुर एयरपोर्ट बिलासा माता के नाम पर होना ऐतिहासिक निर्णयः कृषि मंत्री

कृषि एवं मछली पालन मंत्री रविंद्र चौबे ने कहा कि हमारी सरकार गांव, गरीब, किसान और मजदूर सभी वर्गों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य सरकार द्वारा मछुआ समाज के कल्याण के योजनाएं बनाई गई है। हमारी सरकार ने बिलासपुर विमानतल का नामकरण बिलासा माता के नाम पर किया है, जो एक एतिहासिक निर्णय है। उन्होंने कहा की निषाद समाज के मंशा के अनुरूप नवा रायपुर के किसी एक प्रमुख चौक का नाम शिरोमणि भक्त गुहा निषाद के नाम पर करने का निर्णय ले लिया गया है। भविष्य में उनकी मूर्ति भी लगाई जाएगी, इस संबंध में उन्होंने मछुआरा समाज से मूर्ति का स्वरूप और कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर शासन को प्रस्ताव देने का आग्रह किया।

मछली पालन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को मिला 'बेस्ट इनलैंड स्टेट' और 'बेस्ट प्रोप्राइटरी फर्म' का राष्ट्रीय पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य को आज दमन में विश्व मत्स्यिकी दिवस के अवसर पर मत्स्य पालन के क्षेत्र बेस्ट इनलैंड स्टेट का पुरस्कार मिला। राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाने का यह कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम दुनेथा दमन में आयोजित किया गया । यह पुरस्कार प्रदेश की ओर से मत्स्य विभाग के संचालक एन एस नाग ने ग्रहण किया। अतिथियों की मौजूदगी में छत्तीसगढ़ राज्य को 'बेस्ट इनलैंड स्टेट' अवार्ड सम्मान के रूप में 10 लाख रूपए का पुरस्कार व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर छत्तीसगढ़ राज्य के धमतरी जिले के बगौद गांव के मत्स्य पालन फर्म भारत बाला एक्काकल्चर को भी 'बेस्ट प्रोप्राइटरी फर्म' के रूप में दो लाख रूपए का पुरस्कार व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने मत्स्य पालन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ राज्य को राष्ट्रीय स्तर का एक साथ दो सम्मान मिलने पर विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित मत्स्य पालन के क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी है।

सहकारिता लाभ का व्यवसाय नहीं बल्कि सेवा का कार्यः बैजनाथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अपेक्स बैंक अध्यक्ष बैजनाथ चन्द्राकर ने छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या, रायपुर व जिला सहकारी संघ रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में 69वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के समापन कार्यक्रम में कहा कि सहकारिता लाभ का व्यवसाय नहीं बल्कि सहकार कल्याण करने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि अमूल, इफको, कृभको, नेफेड जैसी राष्ट्रीय स्तर की संस्थाएं भारत में ही नहीं बल्कि विश्व में अपनी सेवा और क्वालिटी के कारण प्रसिद्ध है। छत्तीसगढ़ की सहकारिता को भी इस स्तर तक पहुंचाने के लिए सहकार की भावना के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। छत्तीसगढ़ की सरकार, सहकार के साथ सामंजस्य स्थापित कर गांव, गरीब और किसानों की मदद करना चाहती है। जिसका परिणाम है कि गोबर एवं गोमूत्र खरीदी कर सहकारिता के माध्यम से किसानों के खेतों तक जैविक उत्पाद उपलब्ध कराने का काम हो रहा है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए सहकारीजनों की उपस्थिति में सहकारिता आन्दोलन को गति देने तथा सहकारिता को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर के अध्यक्ष पंकज शर्मा ने की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, विशिष्ट अतिथियों में राज्य सहकारी संघ उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह भाटिया, जिला पंचायत रायपुर की पूर्व अध्यक्ष शारदा वर्मा, राज्य संघ विशेषज्ञ संचालक हरिश तिवारी, मानसेवी संचालक अश्विनी बबलू त्रिवेन्द्र एवं श्रीमती शोभा चाहिल उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा ने छत्तीसगढ़ में सहकारिता के जनकों में से एक वामन राव लाखे द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में किए गए प्रयासों को याद किया। उन्होंने सहकारिता को सुख-दु:ख बांटने का जरिया बताते हुए हर संकट के दौर को सहकारिता से दूर कर आर्थिक, सामाजिक विकास की ओर अग्रसर होने का आवाहन किया। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रायपुर के अध्यक्ष पंकज शर्मा ने ग्रामीणजन तक पहुचने के दो मार्ग पंचायत और सहकारिता को बताते हुए कहा कि देश के निर्माण में सहकारिता क्षेत्र में अमूल और महाराष्ट्र की शक्कर सहकारिताओं का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि धान के कटोरे छत्तीसगढ़ की सरकार ने किसानों का कर्ज माफ करके तथा उनकी फसलों की पूरी कीमत देकर उन्हें समृद्ध बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। राज्य सरकार का यह कार्य देश में कृषि माडल का उदाहरण बनता जा रहा है। आने वाले समय में सभी पैक्सों को कम्प्यूटरीकृत कर डिजिटीलाईज किया जावेगा, जिससे समिति के कार्यो में पारदर्शिता आयेगी।

कार्यक्रम को राज्य सहकारी संघ के प्रबंध संचालक एनआरके चंद्रवंशी एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एसपी चन्द्रकार ने भी आज के विषय वित्तीय समावेशन पैक्स का डिजिटलीकरण और सुदृढ़ सहकारी डेटाबेस पर अपने विचार रखे। संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक पांडे ने छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ अध्यक्ष झुनमुन गुप्ता के संदेश का वाचन कर सात दिनों तक राज्य में आयोजित कार्यक्रमों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ के किसानों को कोदो से होने लगी करोड़ों की आय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ मिलेट मिशन के चलते राज्य में कोदो, कुटकी और रागी (मिलेट्स) की खेती को लेकर किसानों का रूझान बहुत तेजी से बढ़ा है। पहले औने-पौने दाम में बिकने वाला मिलेट्स अब छत्तीसगढ़ राज्य में अच्छे दामों में बिकने लगा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल के चलते राज्य में मिलेट्स की समर्थन मूल्य पर खरीदी होने से किसानों को करोड़ों रूपए की आय होने लगी है। बीते सीजन में किसानों ने समर्थन मूल्य पर 34298 क्विंटल मिलेट्स 10 करोड़ 45 लाख रूपए में बेचा था। छत्तीसगढ़ देश का इकलौता राज्य है, जहां कोदो, कुटकी और रागी की समर्थन मूल्य पर खरीदी और इसके वैल्यू एडिशन का काम भी किया जा रहा है। कोदो-कुटकी की समर्थन मूल्य पर 3000 प्रति क्विंटल की दर से तथा रागी की खरीदी 3377 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की जा रही है।

बीज प्रमाणीकरण संस्था के अपर संचालक एबी आसना ने बताया कि वर्ष 2020-21 में राज्य में 7 जिलों के 36 किसानों द्वारा मात्र 716 क्विंटल प्रमाणित बीज का उत्पादन किया गया था। इससे उत्पादक किसानों को 32 लाख 88 हजार रूपए की आमदनी हुई थी, जबकि 2021-22 में कोदो बीज उत्पादक किसानों की संख्या और बीज विक्रय से होने वाला लाभ कई गुना बढ़ गया है। बीते तीन वर्षो में कोदो प्रमाणित बीज उत्पादक किसानों ने एक करोड़ 65 लाख 18 हजार 633 रूपए का बीज, छत्तीसगढ़ बीज एवं विकास निगम को विक्रय किया है।

अपर संचालक आसना ने बताया कि ऐसी कृषि भूमि जहां धान का उत्पादन नाममात्र उत्पादन होता है, वहां कोदो की खेती किया जाना ज्यादा लाभकारी है। कोदो की खेती की कम पानी और कम खाद की जरूरत पड़ती है। जिसके फलस्वरूप इसकी खेती में लागत बेहद कम आती है और उत्पादक कृषकों को लाभ ज्यादा होता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019-20 में राज्य में मात्र 103 क्विंटल प्रमाणित बीज

उत्पादन हुआ था। मिलेट्स मिशन लागू होने के बाद से छत्तीसगढ़ राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था द्वारा अन्य शासकीय संस्थानों से समन्वय कर कोदो बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे बीज उत्पादन में लगातार वृद्धि हो रही है।

गौरतलब है कि मिलेट्स की खेती को बढ़ावा देने के मामले में छत्तीसगढ़ राज्य को राष्ट्रीय स्तर का पोषक अनाज अवार्ड 2022 सम्मान भी मिल चुका है। राज्य में मिलेट्स उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए इसको राजीव गांधी किसान न्याय योजना में शामिल किया गया है। मिलेट्स उत्पादक कृषकों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रति एकड़ के मान से 9 हजार रूपए की आदान सहायता भी दी जा रही है।

राज्य में कोदो, कुटकी और रागी की खेती को राज्य में लगातार विस्तारित किया जा रहा है, जिसके चलते राज्य में इसकी खेती का रकबा 69 हजार हेक्टेयर से बढ़कर एक लाख 88 हजार हेक्टेयर हो गया है। मिलेट की खेती को प्रोत्साहन, किसानों को प्रशिक्षण, उच्च क्वालिटी के बीज की उपलब्धता तथा उत्पादकता में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए राज्य में मिलेट मिशन संचालित है। 14 जिलों ने आईआईएमआर हैदराबाद के साथ छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के प्रयास से मिलेट मिशन के अंतर्गत त्रिपक्षीय एमओयू भी हो चुका है। छत्तीसगढ़ मिलेट मिशन के तहत मिलेट की उत्पादकता को प्रति एकड़ 4.5 क्विंटल से बढ़ाकर 9 क्विंटल यानि दोगुना किए जाने का भी लक्ष्य रखा गया है।

कोदो बीज बेचने से किसानों को हुई एक करोड़ 28 लाख रूपए की आय

छत्तीसगढ़ राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था के सहयोग एवं मार्गदर्शन से किसान कोदो के प्रमाणित बीज का उत्पादन कर अच्छा खासा मुनाफा अर्जित करने लगे हैं। बीते एक सालों में प्रमाणित बीज उत्पादक किसानों की संख्या में लगभग 5 गुना और इससे होने वाली आय में चार गुना की वृद्धि हुई है। वर्ष 2021-22 में राज्य के 11 जिलों के 171 कृषकों द्वारा 3089 क्विंटल प्रमाणित बीज का उत्पादन किया गया, जिसे बीज निगम ने 4150 रूपए प्रति क्विंटल की दर से किसानों से क्रय कर उन्हें एक करोड़ 28 लाख 18 हजार रूपए से अधिक की राशि भुगतान किया है। राज्य के किसानों द्वारा उत्पादित प्रमाणित बीज, सहकारी समितियों के माध्यम से बोआई के लिए प्रदाय किया जा रहा है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

बालों को रोजाना धोने से उनमें रूखापन आने से लेकर कई समस्याएं आ जाती हैं और सर्दियों के दौरान तो ऐसा करना थोड़ा मुश्किल भी है। ऐसे में ड्राई शैंपू आपके बालों को तुरंत फ्रेशनेस देने समेत स्कैल्प से अतिरिक्त तेल को सोखने का काम कर सकता है। आइए आज हम आपको पांच तरह के ड्राई शैंपू बनाने के तरीके बताते हैं, जो बाजार में मिलने वाले ड्राई शैंपू से अधिक सुरक्षित और असरदार साबित हो सकते हैं।

घर पर आसानी से तैयार किए जा सकते हैं ड्राई शैंपू

एक्टिवेटेड चारकोल और कॉर्नस्टार्च का ड्राई शैंपू

अगर आपके बार गहरे भूरे या फिर काले रंग के हैं तो यह ड्राई शैंपू आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच एक्टिवेटेड चारकोल और दो बड़ी चम्मच कॉर्नस्टार्च डालें। अब इस मिश्रण में एक बड़ी चम्मच लैवेंडर का तेल डालें और अच्छी तरह मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने बालों और स्कैल्प पर लगाने के लिए मेकअप ब्रश का इस्तेमाल करें।

दालचीनी और कॉर्नस्टार्च का ड्राई शैंपू

लाल रंग के बालों पर इस ड्राई शैंपू का इस्तेमाल करना लाभदायक हो सकता है। यह सिर के ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करने और बालों को स्वस्थ और मजबूत करने में मदद कर सकता है। इसे बनाने के लिए एक कटोरी में दालचीनी के पाउडर और कॉर्नस्टार्च की बराबर मात्रा को लैवेंडर के तेल के साथ मिलाएं। इसके बाद मिश्रण को पूरे सिर पर लगाएं और अतिरिक्त मिश्रण को मेकअप ब्रश से हटा दें।

अरारोट और कॉर्नस्टार्च का ड्राई शैंपू

अगर आपने अपने बाल सफेद, ब्लॉन्ड या फिर सिल्वर रंग के करवा रखे हैं तो उन पर अरारोट और कॉर्नस्टार्च से बने ड्राई शैंपू का इस्तेमाल करें। लाभ के लिए सबसे पहले एक कटोरी में अरारोट के पाउडर और कॉर्नस्टार्च की बराबर मात्रा को मिलाएं। फिर इसमें लेमनग्रास का तेल मिलाएं। अब मेकअप ब्रश की मदद से इस मिश्रण को अपने बालों पर लगाएं।

कोको पाउडर और कॉर्नस्टार्च का ड्राई शैंपू

हल्के भूरे रंग के बालों पर इस ड्राई शैंपू का इस्तेमाल करना अच्छा है और यह आपके बालों के विकास में भी मदद कर सकता है। ड्राई शैंपू बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच कोको पाउडर, दो बड़ी चम्मच कॉर्नस्टार्च और एक बड़ी चम्मच लेमनग्रास का तेल मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने बालों पर लगाने के लिए मेकअप ब्रश या अपनी उंगलियों का उपयोग करें।

चावल के आटे और कॉर्नस्टार्च का ड्राई शैंपू

यह ड्राई शैंपू बालों को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाने में मदद कर सकता है। इसे बनाने के लिए एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच चावल का आटा, दो बड़ी चम्मच कॉर्नस्टार्च और एक बड़ी चम्मच पुदीने का तेल मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने पूरे सिर में लगाने के लिए मेकअप ब्रश का उपयोग करें।

चिरंजीवी बने इंडियन फिल्म पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर

साउथ के सुपरस्टार चिरंजीवी ने ना सिर्फ दक्षिण भारतीय सिनेमा, बल्कि बॉलीवुड में भी खूब नाम कमाया है। अपने लंबे करियर में उन्होंने एक से बढ़कर एक सुपरहिट फिल्में दी हैं। अब चिरंजीवी को गोवा में चल रहे 53वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में 'इंडियन फिल्म पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस खबर से उनके प्रशंसक भी फूले नहीं समा रहे हैं।

अनुराग ठाकुर ने दी बधाई

'इंडियन फिल्म पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर' बनने पर केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ट्विटर पर चिरंजीवी की एक तस्वीर साझा कर लिखा, 'एक एक्टर, डांसर और निर्माता के रूप में चिरंजीवी जी ने 150 से ज्यादा फिल्मों में किया। उनका चार दशकों का एक शानदार करियर रहा है। वह तेलुगु सिनेमा में बेहद लोकप्रिय हैं और अपने दिल छू लेने वाले अद्भुत प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं। बधाई चिरंजीवी।

1952 में शुरू हुआ IFFI एशिया का सबसे बड़ा फिल्म समारोह है। 20 नवंबर से शुरू हुआ IFFI 28 नवंबर तक चलेगा। समारोह में इस बार 79 देशों से 280 फिल्में दिखाई जाएंगी। साथ ही हिंदी समेत अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों का प्रीमियर किया जाएगा।

1978 में चिरंजीवी ने की अपने अभिनय करियर की शुरुआत

चिरंजीवी ने 1978 में आई तेलुगु फिल्म 'पुनाधिराह्लू' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने कई बड़ी तेलुगु फिल्मों में काम किया। पिछले चार दशक से वह सिनेमा में सक्रिय हैं। चिरंजीवी को सिनेमा जगत में बेहतरीन योगदान के लिए भारत के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण, आंध्र प्रदेश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान रघुपति वेंकैया पुरस्कार, 10 फिल्मफेयर और चार नंदी पुरस्कार समेत कई अन्य पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

लेट्यूस की पत्तियों को डाइट में करें शामिल

मिलेंगे कई स्वास्थ्यवर्धक फायदे

रेस्त्रां में मिलने वाले बर्गर और सैंडिवच में अक्सर लेट्यूस की पत्तियां नजर आती है। इन पत्तियों में एंटीऑक्सीडेंट्स सहित कई पोषक तत्व होते हैं। ऐसे में इन्हे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। इन पत्तियों को यूनानी दवाओं में कई बीमारियों के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसकी ज्यादातर खेती इजिप्ट में होती है, लेकिन भारत में भी यह आसानी से मिल जाती है। आइए लेट्यूस से मिलने वाले पांच फायदों के बारे में जानते हैं।

सूजन और जलन कम करने में सहायक

लेट्यूस में विटामिन ई और प्रोटीन जैसे लिपोजाइजेनेज मौजूद होते हैं। इसके सेवन से आपके शरीर के अंदरूनी अंगों में होने वाली सूजन और जलन को कम करने में मदद मिलती है। ईरान में हुई एक स्टडी के मुताबिक, लेट्यूस की पत्तियों का इस्तेमाल पारंपरिक दवाओं के तहत सूजन और हड्डियों में होने वाले दर्द के इलाज में किया जाता है। इसके सेवन से आपके शरीर में विटामिन्स की कमी भी नहीं होती है।

वजन घटाने में मददगार

बहुत लोग अपनी डाइट में लेट्यूस की पत्तियों को शामिल कर उन्हें सलाद के रूप में खाते हैं। इससे उन्हें अपना वजन कम करने में मदद मिलती है। इनमें कैलोरीज की बहुत कम मात्रा होती है। इसके अलावा लेट्यूस की पत्तियां एनर्जी डेंसिटी में कम होती है और इसमें 95 प्रतिशत पानी होता है। पानी होने के बावजूद इसमें मौजूद फाइबर आपका पेट भरा रखता है, जिससे थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ खाने की आदत छूट जाती है।

दिल को स्वस्थ रखने में कारगर

लेट्यूस में मौजूद फोलेट एक ऐसा रसायन है, जो शरीर की क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को ठीक करने में और नई कोशिकाओं को बनाने में मदद करता है। यह प्राकृतिक रूप से खाद्य पदार्थों में मौजूद होता है। इसके नियमित सेवन से दिल के स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। इसमें मौजूद विटामिन सी ब्लड सर्कुलेशन को ठीक करता है और इससे दिल का दौरा पड़ने की आशंका भी कम होती है।

मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में सहायक

जब हमारे दिमाग के न्यूरल सेल्स खत्म होने लगते हैं तो दिमाग से जुड़ी बहुत सी समस्याएं पैदा होते लगती है। इसके बचाव के लिए आपको लेट्यूस की पत्तियों का सेवन करना चाहिए। इससे आपको बेहतर नींद आएगी और अनिद्रा की परेशानी से निजात मिलेगा। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट के गुण दिमाग को ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद करता है और इससे आप खुद को तनाव मुक्त महसूस करने लगते हैं।

कैंसर से लड़ने में है मददगार

लेट्यूस की पत्तियों के सेवन में आप कैंसर जैरी गंभीर बीमारियों से बचाव कर सकते हैं। इसमें स्टार्च की मात्रा न के बराबर होती है। ऐसे में इसके सेवन से गले और मुंह के कैंसर के खतरे से भी बचा जा सकता है। जापान की एक रिसर्च के मुताबिक, जो लोग नियमित रूप से इन पत्तियों का सेवन करते हैं, उन्हें अन्य लोगों की तुलना में पेट का कैंसर होने की संभावना भी बहुत ही कम रहती है।

कई मेकअप और स्किन केयर प्रोडक्ट्स का विकल्प बन सकता है कंसीलर

कंसीलर एक मेकअप प्रोडक्ट है। इसका इस्तेमाल आंखों के काले घेरे, चेहरे के दाग-धब्बे और हाइपरपिग्मेंटेशन जैसी खामियों को छिपाने में मदद करता है। हालांकि, इसका इस्तेमाल सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। आप चाहें तो कई तरह के मेकअप प्रोडक्ट्स और स्किन केयर प्रोडक्ट्स के विकल्प के तौर पर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए आज कंसीलर से जुड़े पांच बेहतरीन हैक्स के बारे में जानते हैं।

अपने होंठो को उभरा हुआ दिखाएं

आजकल बाजार में कई ऐसे लिप प्रोडक्ट्स मौजूद हैं, जिनका इस्तेमाल होंठो को उभरा हुआ दिखाने के लिए किया जा सकता है। हालांकि, अगर आप बिना किसी परेशानी के अपने होंठों को उभरा हुआ दिखाना चाहते हैं तो इसके लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें। सबसे पहले अपने होठों पर हाइड्रेटिंग लिपबाम लगाएं। इसके बाद अपनी लिप लाइन पर कंसीलर का इस्तेमाल करें और ब्रश की मदद से इसे ब्लेंड करें। अब अपने होठों पर लिपस्टिक लगाएं।

आईशैडो बेस के रूप में करें इस्तेमाल

कुछ आईशैडो के रंग पलकों पर ढंग से लगते ही नहीं है, लेकिन आप चाहें तो कंसीलर की मदद से इस काम को भी आसान बना सकते हैं। इसके लिए अपनी पलकों पर कंसीलर की एक पतली परत लगाएं और इसे किसी मेकअप ब्रश या स्पंज से अच्छी तरह ब्लेंड करें। इसके बाद एक न्यूड आईशैडो को अपनी पलकों पर लगाएं, फिर इसके ऊपर अपना पसंदीदा आईशैडो रंग लगाएं।

बतौर कंटूरिंग क्रीम आएगा काम

कंटूरिंग को मेकअप का बेस माना जाता है। इसके जरिए चेहरे को एक स्लिम और परफेक्ट लुक दिया जा सकता है। हालांकि, अगर आप महंगी कंटूरिंग क्रीम में निवेश नहीं करना चाहते हैं तो डार्क शेड के कंसीलर से कंटूरिंग का काम भी कर सकते हैं। इसके लिए अपनी त्वचा की टोन से एक या दो शेड गहरे रंग का कंसीलर चुनें और इसे अपनी नाक, जॉ लाइन और चीकबोन्स पर लगाकर मेकअप स्पंज से ब्लेंड करें।

हाइलाइटर के तौर पर करें इस्तेमाल

हाइलाइटर चेहरे के बेस्ट फीचर्स को हाइलाइट करने और उसकी कुछ खामियों को छिपाने में मदद करता है। अगर आपके पास हाइलाइटर नहीं है तो आप कंसीलर की मदद से भी अपने चेहरे को हाइलाइच कर सकते हैं। इसके लिए अपनी त्वचा की रंगत से एक या दो शेड हल्के कंसीलर का इस्तेमाल करें। यकीनन इससे आपको नेचुरल ग्लो मिलेगा।

टिंटेड मॉइस्चराइजर के रूप में करें प्रयोग

आप कंसीलर का इस्तेमाल टिंटेड मॉइस्चराइजर के रूप में भी आसानी से कर सकते हैं। हालांकि, कंसीलर का कवरेज टिंटेड मॉइस्चराइजर से अधिक होता है और इसे सीधे अपने चेहरे पर लगाने से यह त्वचा पर पैची दिख सकता है। ऐसे में कंसीलर को टिंटेड मॉइस्चराइजर के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए पहले कंसीलर को एक मॉइस्चराइजर के साथ मिलाएं और फिर इसे अपने पूरे चेहरे पर लगाएं।

Hero
Authorised Dealer
KGN HERO
9907999822, 7974074371
Junwani Road, Near By Falaknuma Masjid, Kohka, Bhilai, E-Mail:kgnhero06@gmail.com

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

10वीं से स्नातक उत्तीर्ण आवेदकों के लिए 23 को प्लेसमेंट कैम्प

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने 23 नवंबर को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। यह कैम्प जिला रोजगार कार्यालय, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, रायपुर में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा। इस प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से जेनिक्स नौकरी एंड कन्स्लटेन्सी, रायपुर द्वारा टैली कॉलर, ऑफिस स्टाफ एकाउंटेंट, टैली ऑपरेटर, ग्राफिक्स डिजाइनर, विडियो एडिटर, ऑफिस ब्वाय, सेल्स पर्सन, सी. आर. ई. एवं काउंसलर के 130 से अधिक पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए 10वीं से स्नातक, कम्प्यूटर एवं टैली उत्तीर्ण आवेदकों की भर्ती 10 हजार रूपये से 25 हजार रूपये प्रतिमाह की दर पर की जाएगी। इस प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित होने योग्य एवं इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थल पर उपस्थित हो सकते है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए आवेदक जिला रोजगार कार्यालय रायपुर में भी संपर्क कर सकते है।

बाल नेत्र सुरक्षा सप्ताह के दौरान बच्चों का किया गया स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण

रायगढ़। सीएमएचओ डॉ.मधुलिका सिंह ठाकुर के निर्देशन और राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्पदृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के जिला नोडल डॉ.मीना पटेल व प्रभारी चिकित्सा अधिकारी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रामभांठा डॉ.काकोली पटनायक के मार्गदर्शन में रायगढ़ शहरी क्षेत्र में 14 से 20 नवम्बर तक बाल नेत्र सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। इस कार्यक्रम में रायगढ़ शहरी क्षेत्र के स्कूली बच्चों का चिरायु टीम डॉ.फणीन्द्र कुमार भैना, डॉ.गौरी जायसवाल, ललीता उरांव द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण और अनुप कुमार पटेल (नेत्र सहायक अधिकारी) द्वारा नेत्र परीक्षण किया गया। इस मौके पर बच्चों को यह बताया गया कि आंखो को स्वस्थ रखने के लिये विटामिन से परिपूर्ण भोजन जैसे-पपीता, गाजर, अमरूद, पीला फल, हरे पत्तेदार भाजी आदि का सेवन करें और अनावश्यक मोबाईल का उपयोग ना करें। इसके पूर्व अभी तक रायगढ़ शहरी क्षेत्र के 25 स्कूलों के 1579 बच्चों का नेत्र परीक्षण किया जा चुका है।

मां की ममता और पिता की क्षमता का कोई मोल नहीं- राष्ट्रसंत ललितप्रभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राष्ट्रसंत श्री ललित प्रभ जी महाराज साहब ने कहा कि आनंद और खुशियां जिंदगी की सबसे बड़ी दौलत है। यह दौलत किसी किस्मत वाले को मिलती है। तिजोरी की दौलत तो हर किसी को मिल जाती है पर ये खुशियोंभरी जिंदगी की दौलत किसी-किसी को नसीब होती है। हर आदमी को अपने जीवन में अच्छे स्वभाव, अच्छी सोच का मालिक होना ही चाहिए।

क्योंकि यही वे सद्गुण हैं जो आदमी के वर्तमान को भी उज्जवल बनाते हैं और उसके भविष्य को भी तय करते हैं। तय है- जैसा आदमी का नेचर होता है, वैसा ही आदमी का फ्यूचर होता है। यह जिंदगी अच्छे रंग के साथ नहीं अच्छे ढंग से जी जानी चाहिए। अच्छे नेचर का मालिक बनना चाहते हो तो अपने स्वभाव में पलने वाले गुस्से को गुड बाय कर दो।''

संत प्रवर सोमवार को बांधा तालाब में श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रवचन माला के समापन पर हजारों लोगों को संबोधित कर रहे थे। संतप्रवर ने कहा कि लोगों के साथ हमारे रिश्ते कैसे रहेंगे, ये भी हमारा स्वभाव और व्यवहार तय करता है। क्योंकि जैसा होता है आदमी का स्वभाव, वैसा ही पड़ता है दूसरों पर प्रभाव।

अगर आपको लगता है कि आपका चेहरा सुंदर नहीं है तो कोई दिक्कत नहीं, अपने स्वभाव को सुंदर बना लो। क्योंकि आपका स्वभाव सुंदर बन गया तो आप लोगों के दिलों में राज करोगे। सुंदर चेहरा दो दिन अच्छा लगता है। ज्यादा धन दो महीने अच्छा लगता है पर आदमी का सुंदर स्वभाव ये दूसरों को जिंदगीभर अच्छा लगता है। जिंदगी यदि हमें आनंद से जीनी है, तो यह आत्मनिरीक्षण कर लें कि क्या मैं जिंदगी में छोटी-छोटी बातों में क्रोध और कसाय में घिर जाता हूं, क्या मैं किसी के दो टेढ़े शब्द कहने पर अपने-आपको अपमानित महसूस कर ल क्षमा कर देता हूं।

संतप्रवर ने कहा कि आदमी का शरीर एक दिन मिट्टी में मिल जाता है, यानि यह शरीर भी मिट्टी हैं और सोना-चांदी, हीरा ये मिट्टी के ही कलेवर हैं तो फिर मिट्टी को मिट्टी से सजाने के लिए काहे के लिए इतनी माथाफोड़ी करते हो। इसी का नाम तो मिथ्यात्व है।

इसी का नाम संसार है, इसी का नाम दुनिया में फंसना है। अनगढ़े पत्थर को भी जब तराशकर प्रतिमा बनाया जा सकता है, जब पत्थर में से भी प्रतिमा को प्रकट किया जा सकता है, मूर्ति तो पत्थर के अंदर है, आजू-बाजू का कचरा हटाओ तो मूर्ति अपनेआप बाहर निकलकर आ जाती है। ऐसे ही आदमी का अच्छा नेचर होता है, जो बाहर से डाला नहीं जाता, फालतू का कचरा जो आपने भीतर में इक्ट्ठा कर रखा है उसे हटा दो तो आपको लगेगा कि मैं कितना बढ़िया क्वालिटी का इंसान बन गया। जब पत्थर में से प्रतिमा को प्रकट किया जा सकता है तो आदमी को क्यों नहीं सुधारा जा सकता।

संतप्रवर ने आगे कहा कि जब हम दुनिया में आते हैं तो केवल तीन सांसों की जिंदगी लेकर आते हैं। लेकिन फिर भी इस छोटी-सी जिंदगी में वह न जाने कितने कलह के साधन अपने मन में पैदा कर लेता है। केवल तीन सांस की जिंदगी है। पहली सांस है जन्म की। दूसरी सांस लेता है जवान की। तीसरी होती है बुढ़ापे की। एक चैथी सांस और होती है, जिसे चैथी सांस नहीं अंतिम सांस कहते हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार की हाट बाजार क्लिनिक योजना को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सराहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने छत्तीसगढ़ की हाट बाजार क्लीनिक योजना की सराहना की है। डब्ल्यूएचओ ने वनांचल और दूरस्थ अंचल के गांवों में लोगों तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने में कारगर छत्तीसगढ़ सरकार की इस योजना पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म तैयार कराई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में यह फिल्म रिलीज की। यह फिल्म विश्व स्वास्थ्य संगठन के जिनेवा स्थित मुख्यालय में दिखाई जाएगी।

इस मौके पर उपस्थित डब्ल्यूएचओ की प्रतिनिधि डॉ. हिल्डे डी. ग्रीव ने कहा कि मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना का लाभ प्रदेश के अंतिम व्यक्ति को मिल रहा है। यह नवाचार देश के किसी अन्य राज्य में नहीं है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए डब्ल्यूएचओ ने इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण कराया है, जिससे इस योजना का प्रचार प्रसार अन्य राज्य ही नहीं बल्कि विदेशों में भी हो सकेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल ने संवेदनशीलता के साथ दूरस्थ अंचल के लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए इस योजना के माध्यम से सराहनीय पहल की है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर कहा कि हाट बाजार क्लिनिक योजना के माध्यम से अब तक 62 लाख 47 हजार से अधिक लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री बघेल ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को छत्तीसगढ़ शासन की इस योजना पर डॉक्यूमेंट्री बनाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ आज वनांचल क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति को भी मिल रहा है। जो लोग अस्पताल से दूरी होने की वजह से अपना इलाज नहीं करा पाते थे, वे आज अपने घर के समीप इस योजना के माध्यम से इलाज करा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में लोग हाट-बाजार में अवश्य जाते हैं। यहां चिकित्सा दल और डॉक्टरों की मौजूदगी, निःशुल्क जांच और दवाईयों की सुविधाएं उपलब्ध होने से लोग अपने स्वास्थ्य की जांच और इलाज कराने लगे हैं। लोगों का स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रति विश्वास बढ़ा है। हाट-बाजार क्लिनिक योजना का मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान और मुख्यमंत्री सुपोषण योजना की सफलता में प्रभावी भूमिका रही है। इस योजना के संचालन से बस्तर में डायरिया के प्रकरण काफी कम हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 429 मेडिकल मोबाइल वाहनों की मदद से प्रदेश में 1798 हाट-बाजार क्लिनिक योजना का संचालन किया जा रहा है। अब तक 1 लाख 28 हजार से अधिक हाट बाजार क्लीनिक के माध्यम से पिछले 4 वर्षों में 62 लाख 47 हजार से अधिक लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हुई है। हाट-बाजार क्लीनिक योजना में 10 प्रकार की जांच और 60 प्रकार की दवाइयां निःशुल्क दी जा रही हैं। इस योजना में 57 लाख 35 हजार से अधिक लोगों को दवा वितरण किया गया तथा 25 लाख से अधिक लोगों ने पैथोलॉजी जांच कराई है। हॉट बाजार क्लीनिक योजना में गर्भवती माताओं की जांच, संक्रामक तथा असंक्रामक बीमारियों की जांच, नेत्र रोग जांच, कुपोषण जांच, चर्म रोग, मधूमेह, टीबी, कुष्ठरोग, उच्च रक्तचाप तथा एचआईवी जांच और परिवार नियोजन संबंधी सलाह लोगों को दी जा रही है। इन क्लिनिकों में शिशुओं और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्था सुेदृढ़ करने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों और जिला चिकित्सालय में स्वास्थ सुविधाओं को सुदृढ़ किया गया है।

हमर लैब के माध्यम से लोगों को निशुल्क जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि हालांकि अब तक स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत कुछ किया गया है, लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने में उल्लेखनीय कार्य किया है।

आयुक्त ने नलघर शॉपिंग काम्प्लेक्स का निरीक्षण कर लिया जायजा,कहा

शॉपिंग काम्प्लेक्स में शीघ्र साफ-सफाई के साथ-साथ प्रकाश एवं पानी की व्यवस्था के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत सोमवार को आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अधिकारियों के साथ नलघर शॉपिंग काम्प्लेक्स का निरीक्षण पहुंचे। उन्होंने नलघर के करीब स्थल पर प्रस्तावित मल्टीलेवल शॉपिंग काम्प्लेक्स के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। शॉपिंग काम्प्लेक्स परिसर का निरीक्षण आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने किया एवं अधिकारियों से कहा कि शॉपिंग काम्प्लेक्स परिसर के अंदर व बाहर बेहतर ढंग से साफ सफाई,धुलाई सहित प्रकाश व पानी की व्यवस्था के लिए निर्देश दिए।निगमायुक्त ने कहा कि नगर निगम स्वामित्व की नल घर शापिंग काम्प्लेक्स की निविदा निगम ने जारी की है। उन्होंने ये भी कहा कि नलघर शॉपिंग कॉम्पलेक्स व्यवसायिक कॉम्पलेक्स है जिसमें भूतल में 22 दुकाने और प्रथम तल में 22 दुकाने निर्मित है। जिसमें पार्किंग एवं ऊपर जाने के लिए लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता प्रमोद दुबे,भवन अधिकारी प्रकाशचंद थवानी,स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,उपअभियंता पंकज साहू और ठेकेदार सहित अन्य मौजूद रहें। निरीक्षण के मौके पर अधिकारियों ने बताया कि पूर्व में जारी निविदा के आधार पर अधिकतम ऑफर दर प्राप्त होने वाले 6 लोगों को दुकान आवंटित किया गया है। जिससे निगम को दो करोड़ रुपए की राजस्व आय हुई है।बाकी दुकानों की नीलामी जल्द होगी।

Bharat Jodo Yatra कोई साधारण यात्रा नहीं, बल्कि लोगों की भावनाओं से जुड़ने की यात्रा है-मंत्री गुरु रूद्र कुमार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर/बुलढाणा। छत्तीसगढ़ के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग मंत्री गुरु रुद्र कुमार ने 18 नवंबर सुबह महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के शेगांव में कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' में राहुल गांधी के साथ शामिल हुए। इस दौरान मंत्री गुरु रुद्र कुमार ने कांग्रेस ने उनकी भागीदारी को 'ऐतिहासिक' बताया।

भारत जोड़ो यात्रा लगातार 70 दिनों में कन्याकुमारी से महाराष्ट्र तक का सफर तय कर चुकी है। छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री गुरु रूद्र कुमार, कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय उपाध्याय एवं छत्तीसगढ़ कामगार कमेटी के अध्यक्ष आलोक पांडे के साथ पदयात्रा में शामिल हुए। मंत्री गुरु रूद्र कुमार समेत अन्य नेताओं ने कांग्रेस सांसद राहुल के साथ पदयात्रा की। राहुल गांधी और मंत्री गुरु रूद्र कुमार ने पदयात्रा के दौरान मार्ग में एकत्र लोगों का अभिवादन किया।

मंत्री गुरु रुद्र कुमार ने कहा कि यह यात्रा 70 दिन पहले कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। रोजाना 25 किलोमीटर का सफर तय कर रही है। यह यात्रा तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र, महाराष्ट्र और अब मध्य प्रदेश तक पहुंची। राहुल गांधी के नेतृत्व में निकली रही यात्रा में भीड़ उमड़ रही है। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा कोई साधारण यात्रा नहीं बल्कि लोगों की भावनाओं से जुडने् की यात्रा है, जो इतिहास में दर्ज होगी। राहुल गांधी वात्सल्य, करुणा और प्रेम के धनी व्यक्ति हैं। उनकी सहजता शब्दों की मोहताज नहीं है। लोगों के प्रति उनका आत्मीय प्रेम विशुद्ध रूप से दिखता है। देश के हर व्यक्ति के उत्थान और बढ़ोतरी को लेकर संपूर्ण भारत को एक मंच पर लाने की यह पहल असल मायनों में सार्थक है। हम वादों से नहीं व्यवहार, प्रेम और अपनेपन से लोगों का विश्वास जीत रहें हैं। हर पग में लोगों की परेशानियों को अपना समझकर धैर्यता के साथ सुनना पूरे देश को एक परिवार बना रहे है।

मंत्री गुरु रुद्र कुमार ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। यात्रा जिस क्षेत्र से गुजरती है वहां के लोग पारंपरिक वेशभूषा में राहुल गांधी और यात्रा का स्वागत कर रहे हैं। लोग उन्हें प्रामाणिक संस्कृति दिखाते हुए गर्मजोशी से उनका स्वागत करते हैं। हर दिन बड़ी संख्या में लोग इस यात्रा में शामिल हो रहे हैं। मुझे गर्व है मैं कांग्रेस पार्टी का कार्यकर्ताओं हूं जो इस तरह की सामाजिक सद्भावना के लिए पूरे देश को पदयात्रा के जरिए जोडने् का प्रयास कर रही है।

कोरकोमा, लैंगा व कुल्हरिया उपार्जन केंद्र में भी धान खरीदी का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में 1 नवंबर से शुरू हुए धान खरीदी महाअभियान के तहत जिले के किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी जारी है। जिले में अब तक 35 हजार 696 क्विंटल 40 किलो धान की खरीदी हो चुकी है। इसमें 35 हजार 418 क्विंटल 80 किलो मोटा और 277 क्विंटल 70 किलो सरना धान शामिल है।

धान खरीदी के साथ खरीदी केंद्रों से धान का उठाव भी शुरू हो चुका है। जिसमे अब तेजी आ गई है। खरीदी केंद्रों से 15 हजार 920 क्विंटल धान का उठाव हो चुका है। जिले के किसान अब तक 7 करोड़ 28 लाख 20 हजार 656 रुपए का धान समितियों में बेच चुके है।

जिला सहकारी बैंक के नोडल अधिकारी ने बताया की जिले के खरीदी केंद्रों में धान खरीदी लगातार जारी है। वहीं धान खरीदी केंद्रों में धान बेचने के लिए पहुंचने वाले किसानों की संख्या भी बढ़ने लगी है। इसी कड़ी में आज धान खरीदी केंद्र कोरकोमा में धान खरीदी का विधिवत रूप से शुभारंभ हुआ।

जिसमें किसान भुग्देव चौधरी, वीर सिंह चौधरी और गेंद लाल चौधरी ने धान का विक्रय किया। इसी तरह धान उपार्जन केन्द्र लैंगा में धान खरीदी का शुभारंभ हुआ। इस दौरान धान बेचने पहुंचे किसानों का फूल माला पहनाकर सम्मान किया गया। लैंगा उपार्जन केंद्र में किसान छक्केलाल ने 98 क्विंटल, किसान रामभजन ने 20 क्विंटल, किसान लोकनाथ ने 14 क्विंटल 40 किलो धान का विक्रय किया। इसी तरह किसान बुद्धू सिह 14 क्विंटल 40 किलो, किसान मेघनाथ और अशोक कुमार ने 7 क्विंटल 20 क्विंटल धान बेचा। समिति में धान बेचने के लिए पहुंचे किसान राम भजन ने समिति में व्यवस्थाओं को लेकर संतोष जताया और कहा कि उनको धान बेचने में यहां कोई परेशानी नहीं हुई। आदिवासी सेवा सहकारी समिति कुल्हारिया केंद्र भी धान खरीदी का शुभारंभ हुआ। यहां किसान हरिनाम सिंह, प्राण सिंह, उमेंद सिंह, पतिराम ने कुल 260 क्विंटल 80 किलो धान का विक्रय किया। समिति में धान का विक्रय करने वाले गांव के सरपंच व कृषक हरिनाम सिंह ने बताया कि उन्होंने सोसाइटी में 56 क्विंटल धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त किया था। धान खरीदी केंद्र में किसानों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए सभी सुविधाएं है। यहां किसानों को कोई परेशानी नहीं हो रही है।

स्ट्रीट सिचुएशन वाले बच्चों की पहचान और संरक्षण जरूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। उच्चतम न्यायालय में प्रचलित जनहित याचिका में जारी आदेश के अनुक्रम में स्ट्रीट सिचुएशन वाले बच्चों की पहचान कर उन्हे बाल कल्याण समिति के माध्यम से संरक्षण प्रदान करते हुए शिक्षा एवं अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराया जाना है। जो बच्चे बिना सहारे के सड़कों पर अकेले रहते है, बच्चे दिन में सड़कों पर रहते है और रात में निकट की झुग्गी/झोपड़ी बस्तियों में रहने वाले अपने परिवार के पास घर वापस आ जाते हैं, अपने परिवार के साथ सड़कों पर रहने वाले बच्चे स्ट्रीट सिचुएशन की श्रेणी में आते हैं। स्ट्रीट सिचुएशन वाले बेसहारा बच्चों की दुर्दशा गंभीर चिंता का विषय है एवं यह उन बच्चों के अधिकारों का घोर उल्लंघन है तथा इसके विकास में बाधक है एवं बच्चे अपनी उत्तरजीविता भोजन पानी, वस्त्र आश्रय एवं संरक्षण हेतु प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के संघर्षो एवं चुनौतियों का सामना करते हैं। इन बच्चों के आर्थिक ,लैगिंक एवं अन्य प्रकार के शोषण बंधक होने मानव तस्करी दुर्घटनाओं के शिकार होने का गंभीर खतरा होता है।

जांजगीर-चांपा जिले के समस्त सम जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं स्वयं सेवी संस्थाओं एवं सभी नागरिकों से आग्रह की गई है कि उक्त बच्चों की मदद के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में हर संभव प्रयास करें एवं 1098 निशुल्क नंबर पर संपर्क करें।

खास खबर

ट्रक ड्राइवर की हत्या करने वाले नाबालिग सहित तीन चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर (ए)। ट्रक ड्राइवर की हत्या करने वाले नाबालिग समेत तीन आरोपियों को पकड़ने में रायपुर पुलिस को सफलता मिली है। ये मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान अमर ध्रुव, मिथलेश वर्मा और एक नाबालिग लड़के के रूप में की है। तीनो ने ट्रक ड्राइवर वीरेंदर सिंह की इस महीने बीते 17 को हत्या कर दी थी। पुलिस ने मुखबिर से मिली जानकारी के आधार पर तीनो आरोपियों को पकड़ा और पूछताछ की। आरोपियों ने बताया कि वो लोग घटना स्थल के पास घूम रहें थे इसी दौरान मृतक बीच रोड में खड़ा था और जब आरोपियों ने उसे रोड से हटने कहा तो उनके बीच विवाद हुआ । इसी बात से नाराज़ होकर आरोपियों ने मृतक पर अपने पास रखे रॉड और हाथ में पहने कड़ा से मृतक वीरेन्द्र सिंह के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी और फरार हो गये। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त रॉड और कड़ा जप्त कर लिया।

महिला टीवी पत्रकार को धमकी देने वाले चार गिरफ्तार

रायपुर(ए)। रायपुर पुलिस ने शहर में एक आवासीय अपार्टमेंट में मंदिर निर्माण का विरोध करने वाली महिला पत्रकार के घर में घुसने और धमकी देने के आरोप में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी पहचान गजमोहन साहू, नागेश्वर यादव, जितेंद्र साहू और कमलेश वर्मा के रूप में की। पुलिस ने बताया कि ये घटना रविवार शाम की है जब बजरंग दल के करीब 20 कार्यकर्ता जबरन अपार्टमेंट में घुसे आये। आरोपियों ने टीवी पत्रकार ममता लांजेवार सहित निवासियों को अपार्टमेंट परिसर में मंदिर निर्माण का विरोध करने पर धमकाया। उन्होंने लोगों को धमकाते हुए कहा कि सुरक्षा प्रभारी साहू, सत्यभामा चौहान और उनके बेटे विवेक ने उन्हें मंदिर निर्माण का विरोध करने वालों को सबक सिखाने के लिए भेजा है। जब लांजेवर ने इसका विरोध किया तो आरोपी उसके जबरन घर में घुसकर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। इससे पहले लांजेवार और अन्य निवासियों ने छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड को एक पत्र सौंपा था और मंदिर निर्माण का विरोध करते हुए कार्रवाई की मांग की थी।

नवयुवक की हुई करंट की चपेट में आने से मौत

महासमुंद (ए)। जिले के 20 साल के युवक की बिजली के करंट की चपेट में आने से मौत जो गयी है। ये मामला जिले के बसना थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया के बसना थाना क्षेत्र के अरेकेलडीपा निवासी रूपानंद यादव पिता जन्मजय उम्र 20 साल को सोमवार रात को बिजली करंट लग गया जिससे उसकी मौत हो गयी। पुलिस को इस घटना की जानकारी गाओं के रहने वाले लोगों ने थाने में दी जिसके बाद पर पुलिस ने मामले मर्ग कायम करते हुए जांच विवेचना में लिया है।

भिलाई में सूने मकानों में रेकी कर चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

चोरी का सोना-चांदी बेच देते थे सोना गलाने वालों को

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सूने मकानों की रेकी करके लाखों रूपए की चोरी करने वाले सात युवक और एक अपचारी बालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से करके पुलिस ने अलग-अलग वाट्सअप ग्रुप में वायरल किया था। जिसके बाद सभी आरोपी पकड़े गए हैं। दुर्ग एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने पत्रकारवार्ता में सोमवार को बताया कि सभी आरोपी घूम-घूमकर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। आरोपियों ने चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरातों को अपने परिचितों के माध्यम से सोना-चांदी गलाने वाले वालों को बेच दिया था। पुलिस ने सभी आरोपियों के पास से चोरी का सामान बरामद कर लिया है।

ऐसे पकड़े गए आरोपी

पुलिस ने बताया कि सुपेला, वैशाली नगर, स्मृतिनगर थाना क्षेत्र के सुने मकानों में लगातार चार चोरियां हुई। पुलिस ने जब सीसीटीव फुटेज खंगाला तो तीन संदेहियों फुटेज मिले। जिसके बाद पुलिस ने इन आरोपियों की तस्वीर सोशल मीडिया में वायरल किया। इसी बीच मुखबीरों से तीन आरोपी सुपेला इंद्रा नगर निवासी शाहिल खान, तुकेश्वर ठाकुर और 1 नाबालिग लड़के के रूप में सुनिश्चित हुई। पुलिस ने घेराबंदी करके सुपेला क्षेत्र से तीनों को पकड़ा। पहले तो तीनों पूछताछ में पुलिस को गुमराह किया बाद में अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। घटना के संबंध में अपने दोस्त गुलाम खान, महेष यादव के साथ पांचों ने मिलकर सुपेला, वैशाली नगर, स्मृति नगर क्षेत्र के 4 सूने मकानों में अलग-अलग समय पर रेकी करके नकबजनी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि चोरी किए गए गहनों को बाजार अतरीया खैरागढ़ निवासी धर्मेंद्र वर्मा के माध्यम से आरोपियों ने सालेखुर्द धमधा निवासी गैंदराम जंघेल को बेचा था। आरोपियों के बताए अनुसार धर्मेंद्र वर्मा, गैंदराम जंघेल को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर धर्मेंद्र वर्मा ने आरोपियों के द्वारा लाए गए सोने-चांदी के जेवरातों को अपने रिश्तेदार ज्वेलरी शॉप में काम करने वाले गैंदराम जंघेल के परिचीत सोना गलाई का काम करने वाले मानस जेना के पास बिकवाना बताया। जिससे मानस जेना के कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात बरामद किया गया। साथ ही कुछ जेवरात आरोपियों ने छिपाकर रखे थे। उनकी निशानदेही पर बरामद कर जप्त किया गया।

पुलिस ने इन आरोपियों को किया गिरफ्तार

- शाहिल खान उर्फ गब्बर पिता शफीक खान उम्र 18 वर्ष सा. इंदिरानगर शीतला मंदिर के पास सुपेला।
- महेश यादव पिता सुजीत यादव उम्र 18 वर्ष सा. इंदिरानगर शीतला मंदिर के पास सुपेला।
- गुलाम खान पिता रोषन खान उम्र 23 वर्ष सा.पंचराम मिर्जा गली नहर पार रावण भाठा सुपेला।
- सोनू उर्फ तुकेश्वर उर्फडोकरा पिता सोमनाथ ठाकुर उम्र 19 वर्ष सा.शीतला मंदिर के पास सुपेला।
- विधि के विरूद्ध संघर्षरत् बालक।

सोने-चांदी के जेवरात खरीदने व बिकवाने वाले आरोपी

- धर्मेन्द्र वर्मा पिता पारख वर्मा उम्र 27 वर्ष सा. बाजार तरिया कुकुरमुड़ा थाना खैरागढ़।
- गैंदराम जंघेल पिता गंगाप्रसाद जंघेल उम्र 26 वर्ष सा.साल्हेखुर्द थाना धमधा जिला दुर्ग।
- मानस जेना पिता जवाहर लाल जेना उम्र 43 वर्ष सा. सोनारपारा खैरागढ़।

वीकेंड मनाने गए बैंक कर्मियों की कार पेड़ से टकराई, मैनेजर सहित दो की मौत, दो घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। रविवार की छुट्टी मनाकर लौट रहे बैंक कर्मियों की कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में बैंक मैनेजर सहित दो की मौत हो गई वहीं दो कर्मी गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद रांची के अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसा इतना जबरदस्त था कि पेड़ से टकराने के बाद कार के परखच्चे उड़ गए। हादसा जशपुर जिले के दुलदुला थाना क्षेत्र में हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार मनोरा SBI के ब्रांच मैनेजर अनुरंजन मिंज, जशपुर एसबीआई में पदस्थ सुमित मिंज व दो कर्मी अनमोल और रविंद्र रविवार की छुट्टी मनाने कुनकुरी गए हुए थे। रविवार की रात को वे वापस लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि रात 10 बजे कुनकुरी-जशपुर हाईवे पर अचरईडांड गांव के पास इनकी कार अनियंत्रित हो गई। चालक कार को कंट्रोल नहीं कर पाया और सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी की कार के परखच्चे उड़ गए।

रात होने के कारण सड़क सुनसान थी और काफी देर तक इनके पास कोई नहीं पहुंचा। इसके बाद सड़क से गुजर रहे लोगों की नजर इन पर पढ़ी। इसके बाद कार से निकालकर चारों को अस्पताल ले गए। जिसके बाद किसी तरह से चारों को अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में अनुरंजन मिंज और सुमित मिंज को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं घायल अनमोल और रविंद्र को प्राथमिक इलाज के बाद रांची रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और इसकी बैंक कर्मियों के परिजनों को दी गई।

प्रेमी जोड़े ने कोलड्रिंक में जहर मिलाकर पीया जंगल की ओर जा रहे ग्रामीणों ने देखी लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

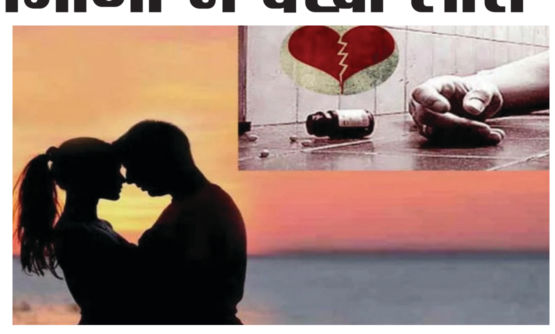

बालोद। बालोद जिले के डौंडी ब्लॉक के जंगल में एक प्रेमी जोड़े ने कोलड्रिंक में जहर मिलाकर पी लिया। जिससे दोनों की मौत हो गई। घटना का खुलासा उस वक्त हुआ जब जंगल की ओर जा रहे ग्रामीणों ने सोमवार को दोनों की लाश देखी। जिसके बाद सूचना पर पहुंची महामाया पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू की। मिली जानकारी के अनुसार महामाया थाना अंतर्गत आड़ेझर के जंगल में युवक-युवती ने कोलड्रिंक में जहर मिलाकर पी लिया, जिससे उनकी मौत हो गई है।

पुलिस ने बताया कि मृतक युवक राहुल (22) मोहला थाना क्षेत्र के ग्राम भीमपुरी का निवासी है। वहीं युवती की पहचान संध्या किरंगे पिता हिरालाल किरंगे (21) कलचुवा थाना मोहला क्षेत्र के रूप में की गई है। दोंनों के शव को डौंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रखा गया है। आज पोस्टमार्टम होगा। मामला प्रेम प्रसंग का है। दोनों घर से भाग गए थे। परिजनों ने दोनों की शादी से इनकार कर दिया था।

दोनों भागकर आए थे जंगल

पुलिस को शव के पास मोबाइल मिला, जिससे दोनों की पहचान हुई। पुलिस ने दोनों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। प्रारम्भिक जानकारी में यह बात सामने आई कि दोनों कुछ दिन पहले ही घर भाग गए थे। शनिवार को युवती की गुमशुदगी की रिपोर्ट परिजनों ने थाने में दर्ज कराई थी।

घर जमाई दामाद ने की सास की हत्या

बेटी की पीटते देख बीच-बचाव करने आई महिला तो सनकी दामाद ले ली जान

राजनांदगांव। नव गठित जिला मोहला-मानपुर-चौकी में एक घर जमाई दामाद ने अपने ही सास की हत्या कर दी। बुजुर्ग महिला की हत्या करने के बाद आरोपी दामाद जंगल में जाकर छिप गया था। पुलिस ने तालाशी अभियान चलाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना मोहला के पास गांव उरजे की है। जहां दामाद ने अपनी सास की डंडा से पीटकर हत्या कर दी। पुलिस आरोपी दामाद को धारा 302 के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तारी के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पत्नी से कर रहा था मारपीटआरोपी दामाद अपनी पत्नी से मारपीट कर रहा था। इस दौरान बेटी का बीच बचाव करने पर आरोपी दामाद ने डंडा से सास पर हमला कर दिया और उसकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी सुदामा बोगा उरजे गांव में घर जमाई बन कर अपने ससुराल में रह रहा था। शनिवार रात को आरोपी सुदामा बोगा का किसी बात को लेकर उसकी पत्नी से विवाद हो गया। विवाद के दौरान आरोपी सुदामा अपनी पत्नी से मारपीट कर रहा था।

घटना के बाद जंगल में छिपा था आरोपी

घर में मौजूद आरोपी सुदामा की सास समको करेटी पति जयनुक कोडोपी बेटी को मारपीट करते देख बीच बचाव करने सामने आई। आरोपी सुदामा बोगा ने अपनी सास समको कोडोपी के सिर पर हमला कर दिया। घटना में समको बाई गंभीर रुप से घायल हो गई और अचेत होकर जमीन में गिर गई। परिजनों ने समको बाई को तत्काल मानपुर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि घटना के बाद आरोपी दामाद सुदामा बोगा मौके से फरार हो कर जंगल में छिप गया था। पुलिस आरोपी दामाद को जंगल से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा है।

हर मौके पर पीड़ितों के साथ रहा इसकी संतुष्टीः आइजी डांगी

बिलासपुर। रेंज में दो साल के कार्यकाल के दौरान पीड़ितों को न्याय दिलाने हर समय मदद करने का प्रयास किया है। इसके साथ ही इंटरनेट मीडिया के माध्यम से हर समय पीड़ितों की समस्या को सुना गया। साथ ही उन्हें तत्काल राहत दिलाने कोशिश की गई। इसमें बहुत हद तक सफल भी रहे। इस बात की संतुष्टी है। यह कार्यकाल कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा। ये बातें आइजी रतनलाल डांगी ने कही।

बिलासपुर रेंज में दो साल के कार्यकाल के बाद सोमवार को आइजी रतनलाल डांगी ने आइपीएस बीएन मीणा को प्रभार सौंप दिया है। इस दौरान उन्होंने चर्चा करते हुए बताया कि यह कार्यकाल संतोषप्रद रहा। अपने कार्यकाल के दौरान हर बड़े अपराध की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंचकर अधिनस्थ कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही उनका मनोबल बढ़ाते हुए मामले का निराकरण किया गया। कई मामलों में खुद थानों में बैठकर जांच की निगरानी की। इसके बेहतर परिणाम भी मिले। अपहरण और गंभीर मामलों में रायगढ़ से लेकर शहर के थानों तक पहुंचकर जानकारी ली। इससे पुलिसकर्मियों को हौसला मिला। आइजी रतनलाल डांगी ने रेंज में पदभार लेते ही अपने मोबाइल नंबर सार्वजनिक कर दिया।

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी केन्द्र पर बवाल

ग्रामीणों ने किया पुलिस पर पथराव, कई पुलिस कर्मी घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिले में धान खरीदी केन्द्र की मांग को लेकर ग्रामीण उग्र हो गए। सोमवार को प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों से पहले पुलिस की बहस हुई इसके बाद ग्रामीणों ईंट पत्थर उठाकर फेंकना शुरू कर दिया। मामला ऐसा बिगड़ा कि मौके पर अतिरिक्त फोर्स को बुलाना पड़ा। इसके बाद देर शाम ग्रामीणों ने थाने का भी घेराव कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि शांतिपूर्ण तरीके से वे धान खरीदी केन्द्र शुरू करने की मांग कर रहे थे लेकिन पुलिस कर्मियों ने पहले उनकी मां-बहनों पर हाथ उठाया था।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को कंडेकेला सहकारी समिति के अधीन आने वाले 7 गांव के सैकड़ों लोग जमा हुए। ग्रामीणों की मांग थी कि उनके क्षेत्र में एक धान खरीदी केन्द्र खोला जाए ताकि उनकी परेशानी कम हो। उन्हें अपना धान बेचने लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इसके बाद अपनी मांग को लेकिन ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने चक्काजाम हटाने चर्चा शुरू की लेकिन यह चर्चा बहस में बदल गई और फिर बवाल शुरू हो गया। इसके बाद लोगों ने पुलिस पर पत्थर से हमला करना शुरू कर दिया। जिसके बाद पुलिस की टीम मौके से भागने लगी।

ग्रामीणों के चक्काजाम के कारण हाईवे में दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई थी। दोपहर के वक्त पुलिस की टीम ग्रामीणों को समझाने गई थी। उस वक्त लोग जमीन पर बैठे थे। मगर पुलिस ने उन्हें उठाना शुरू कर दिया। इसके बाद से ही यह बवाल शुरू हुआ है। गुस्साई भीड़ ने इस दौराप पुलिस के वाहन को भी पलट दिया। इसके बाद भीड़ ने अमलीपदर थाने का घेराव भी कर दिया।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

घर बैठे प्राप्त करें 1 रुपए शुल्क के साथ एक सेकंड में भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र

भिलाई। 5000 वर्ग फुट तक के आवासीय प्लाट के लिए भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए निगम दफ्तर आने की आवश्यकता नहीं है घर बैठे ही ऑनलाइन भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्राप्त किया जा सकता है और वह भी महज 1 सेकंड में 1 रुपए शुल्क के साथ। माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी की यह योजना बेहद लाभकारी है, जिसका लाभ हितग्राही ले पा रहे है। ऐसे हितग्राही जो भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाह रहे हैं वह सीधे निगम के पंजीकृत वास्तुविद के माध्यम से समस्त आवश्यक दस्तावेज के साथ www.bpms.sudacg.in में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। दस्तावेज की प्रविष्टि भी ऑनलाइन करनी होगी। भवन मानचित्र का परीक्षण मानव हस्तक्षेप रहित सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाएगा। प्राप्त आवेदनों पर विभाग के द्वारा आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण कर समस्त दस्तावेज सही पाए जाने पर 14 दिवस के भीतर आवासीय भवन निर्माण अनुज्ञा हेतु नियम अनुसार राशि की गणना कर ऑनलाइन डिमांड नोट आवेदक को जारी किया जाएगा जिसे वह दिए गए वेबसाइट पर सिटीजन पे के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान कर तुरंत रसीद प्राप्त कर सकते हैं।

कुर्की पर कार्यवाही के लिए 66 बकायेदारों की सूची सार्वजनिक

भिलाई। कुर्की पर कार्रवाई के लिए भिलाई निगम ने आज से सख्ती दिखाना प्रारंभ कर दिया है। जिसकी कार्रवाई आज नेहरू नगर जोन से प्रारंभ हुई। आज कार्रवाई के पहले दिन बकायेदारों से 6 लाख 82 हजार रुपए टैक्स की वसूली की गई। इसी प्रकार से प्रत्येक जोन क्षेत्र में कुर्की वसूली की कार्रवाई की जाएगी। निगम आयुक्त रोहित व्यास ने इसके लिए दल का गठन कर दिया है तथा शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। शेड्यूल के मुताबिक कुर्की अधिकारी कुर्की वसूली की कार्रवाई करेंगे। 21 नवंबर से लेकर अलग-अलग दिवस में 23 दिसंबर तक कुर्की वसूली की कार्रवाई होगी। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत स्थित भवन/भूमियों पर बकाया राशि की वसूली के लिए नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 173 के तहत बकायेदारों को नोटिस जारी किया गया था, इसके बाद धारा 174 के तहत दूसरी नोटिस जारी की गई थी इसके बाद भी बकाया राशि जमा नहीं करने वालों को धारा 175 के अधीन कुर्की वारंट जारी किया गया है।

आयुक्त ने किया अफसरों के साथ धन्वन्तरी मेडिकल स्टोर का औचक निरीक्षण

दुर्ग। नगर पालिक निगम निगम क्षेत्र अंतर्गत धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स के माध्यम से लाखों लोगों ने जेनेरिक दवाइयों की खरीदी की है और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया है। दुर्ग धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स में 58त्न की छूट के साथ दवाइयां उपलब्ध हो रही है। मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप लोगों को उच्च गुणवत्ता की ब्रांडेड जेनेरिक दवाई सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने के लिए श्री धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स योजना दुर्ग में संचालित हो रही है। दुर्ग में यदि धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स की बात करें तो 2 स्थानों पर यह स्टोर्स लोगो को जरूरी दवाइयां उपलब्ध कराने का काम कर रही है। नया बस स्टैंड के सामने जिला हॉस्पिटल के निकट नल घर शॉपिंग काम्प्लेक्स एवं रायपुर नाका सिंधिया नगर में धन्वंतरी मेडिकल में आसानी से जेनेरिक दवाइयां उच्च गुणवत्ता की प्राप्त की जा सकती है।

महापौर का आश्वासन हुआ टांय-टांय फिस्स

अब तक नहीं मिला कर्मियों को वेतन एमआईसी को घेरने की तैयारी में कर्मी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई की माली हालत इन दिनों इतनी खस्ता है कि वे अपने कर्मचारियों को वेतन तक नहीं दे पा रहे हैं। अक्टूबर व नवंबर माह के वेतन के लिए कर्मचारियों को प्रदर्शन करना पड़ रहा है। दो दिन पहले शुक्रवार को निगम के कर्मियों ने महापौर नीरज पाल से मुलाकात की थी और अपनी समस्या रखी थी। महापौर ने आश्वासन भी दिया लेकिन उनका आश्वासन भी फिसड्डी साबित हुआ।

अब कर्मचारियों के हौसलों ने भी जवाब दे दिया है और मंगलवार को होने वाली एमआईसी की बैठक को घेरने की प्लानिंग की है। वेतन की मांग को लेकर सोमवार को शाम को निगम के कर्मचारियों ने गेट मीटिंग की। इस दौरान कर्मचारी संघ की ओर से संजय शर्मा ने बताया कि प्रति माह एक तारीख को कर्मचारियों का वेतन आ जाना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आयुक्त से मुलाकात के बाद उन्होंने शासन स्तर पर इस संबंध में चर्चा की है लेकिन कर्मचारियों का वेतन अभी तक क्रेडिट नहीं हो पाया है। दो दिन पहले शुक्रवार को कर्मचारियों ने महापौर से मुलाकात की और अपनी समस्या रखी तो उन्होंने तीन दिन में वेतन भुगतान का वादा किया था। सोमवार को तीसरा दिन है और कर्मचारियों के खातों में पैसा नहीं आया है।

घेरेंगे एमआईसी

कर्मचारी संघ के संजय शर्मा ने गेट मीटिंग के दौरान कहा कि वे मंगलवार को एमआईसी सदस्यों से जाकर पूछेंगे कि हमारा वेतन कहां है। संजय शर्मा ने कहा मंगलवार को एमआईसी की बैठक होने वाली है ओर उस दौरान सभी कर्मचारी महापौर कक्ष के सामने जमा होंगे और उनके वादे को याद दिलाएंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि कल यदि वेतन के मुद्दे पर बात नहीं बनी तो आगे के आंदोलन की रणनीति बनाएंगे।

महापौर का दावा फेल

कर्मचारियों के वेतन के मामले में महापौर नीरज पाल का दावा भी फेल हो गया है। निगम के खजाने में कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं तो शहर के विकास के लिए फंड कहां से लाएंगे। बताया जा रहा है कि शहर सरकार द्वारा अनयूजफुल कार्यों में पैसा बर्बाद करने के कारण भी निगम के फंड में कमी आई है। निगम की बदहाली का अंदाजा तो लग गया है क्योंकि वह अपने कर्मचारियों को ही वेतन नहीं दे पा रहा है। यही नहीं दीपावली के दौरान भी कर्मचारियों को निगम की संचित निधि से वेतन दिया गया था जो कि निगम की कार्यशैली पर बड़े सवाल खड़े करता है।

आचार्य के समवशरण में पाद प्रच्छालन करते हुए त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 में श्री जिनेन्द्र भगवान के महामस्तकाभिषेक के साथ आशीर्वाद ग्रहण किये

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्री त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 में प्रात: 7.30 बजे श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान के मंगल अभिषेक शांतिधारा परम पूज्य आचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर महाराज जी के अमृतवचनों से भक्तों ने किया जहां सैकड़ों भक्तों ने परमपूज्य आचार्य 108श्री विशुद्ध सागर महाराज जी के 31वां मुनि दीक्षा दिवस पर आचार्य पूजन विधान पूजन करते हुए आशीर्वाद लिये।

इस अवसर पर आज आचार्य श्री के अमृतवचनों से श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्री 1008 आदिनाथ भगवान एवं 1008 मुनिश्रुवत नाथ भगवान के मंगल शांतिधारा मूर्ति प्रदाता प्रशांत जैन के साथ ज्ञानचंद बाकलीवाल, प्रदीप जैन बाकलीवाल, संजय चतुर, वरूण जैन आदि ने किया। आचार्यश्री विशुद्ध सागर महाराज जी का मंगल आहारचर्या के सी नाहर परिवार में हुई। दोपहर देश के अनेक प्रांतों से सैकड़ों भक्तों के साथ आज आचार्यश्री विशुद्ध सागर महाराज जी के 31वां मुनी दीक्षा दिवस पर परमपूज्य आर्यिका 105 सौभाग्यवति माताजी ने अपने अमृत वचन में आचार्यश्री विशुद्ध सागर महाराज जी को नमन करते हुए अपने मंगल आशीष धर्मसभा में दिये जहां आचार्यश्री को भिलाई-दुर्ग जैन समाज के साथ जैन महिला क्लब सेक्टर 6 जैन मिलन जैन ट्रस्ट श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन सभा सेक्टर 6, वैशाली नगर, रूआबांधा, रिसाली, नेहरू नगर, दुर्ग, रायपुर के सैकड़ों महिलाओं ने बहुत ही आकर्षक साज सज्जा के साथ आचार्यश्री को पूजनअर्घ्य भक्ति भाव के साथ समर्पित किये। इस अवसर पर आज आचार्य श्री के पाद प्रच्छालन सांसद विजय बघेल जी एवं दुर्ग महापौर धीरज बाकलीवाल के साथ सुयश सागर महाराज जी गृहस्थ जीवन के मंगलचंद बलदेव बाकलीवाल परिवार के इंदरचंद, प्रदीप, अशोक, अरूण बाकलीवाल ने प्राप्त करते हुए भागचंद जैन, प्रशांत जैन, मुकेश जैन, ज्ञानचंद बाकलीवाल,प्रभात जैन,अरविंद जैन, निशांत जैन रायपुर के पारसमल पापड़ीवाल, प्रदीप जैन, महावीर पाटनी, ज्ञानचंद इंदर पाटनी, कजोड़मल जैन, प्रवीण छाबड़ा, डॉ. आर के जैन, अनिल जैन, संजीव कासलीवाल, धीरज बाकलीवाल, प्रतीक नाहर आदि ने श्रीफल के साथ पाद प्रच्छालन किया।

पांच दिनों में सीखा एयरो प्लेन बनाना

टेकऑफहोते ही बच्चों में दिखाई दी राइट ब्रदर्स जैसी खुशी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पांच दिनों के प्रशिक्षण के बाद स्कूली बच्चों के बनाए एयरो प्लेन ने हवा में उड़ान भर दी। टेकऑफके साथ ही बच्चों के चेहरों पर कुछ नया सीखने की खुशी झलक रही थी। अपने हाथों से बनाए एयरो प्लेन के विंग्स और फिर उनमें मोटर्स फिट करने से लेकर रिमोर्ट कंट्रोल ट्रांसमीटर भी खुद ही तैयार किया। स्टूडेंट्स को एयरो मॉडलिंग वर्कशॉप के जरिए ये प्रशिक्षण रूंगटा आर-1 इंजीनियरिंग कॉलेज ने दिया। प्रशिक्षण में डीपीएस रिसाली, एमजीएम सेक्टर-6 और बीएसपी

सीनियर सेकंडरी स्कूल सेक्टर-10 के बच्चे शामिल हुए। वर्कशॉप में उन्हें एयरो प्लेन के उड़ाने के बेसिक सिद्धांत समझाए गए। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इन स्कूलों की अटल टिंकरिंग लैब के लिए रूंगटा इंजीनियरिंग कॉलेज की इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसलिंग (आईआईसी) को मेंटर बनाया है। इसी के तहत बच्चों को एयरो मॉडलिंग प्रशिक्षण दिया गया।

दुर्ग जिला गोस्वामी समाज का पुर्नगठन, दीपक अध्यक्ष खिलावन सचिव मनोनीत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सनातन दशनाम गोस्वामी समाज, जिला-दुर्ग इकाई पंजीयन क्रमांक 1657 की एक बैठक भिलाई 3 में प्रदेश कार्यकारिणी के निर्देशा अनुसार आयोजित की गई। जिसमे दुर्ग जिला के पदाधिकारियों का पुनर्गठन किया गया। साथ ही प्रदेश कार्यकारिणी व मुंगेली जिला गोस्वामी समाज के संयुक्त तत्वाधान में 7 दिसंबर को आयोजित भगवान दत्तात्रेय जयंती में अधिक से अधिक संख्या में दुर्ग जिले से शामिल होने का निर्णय लिया गया है।

समाज के महंत गणों, संस्थापक सदस्यों नीति निर्धारकों एवं समाज के प्रमुख लोगों की एक बैठक बिलासपुर में 12 नवंबर को आयोजित किया गया।जिसमे उपस्थित लोगों की सहमति से दुर्ग जिला कार्यकारिणी का पुनर्गठन करते हुए अध्यक्ष पद पर दीपक बन गोस्वामी सेक्टर 6 को मनोनीत किया गया है।

जिले के राजेश भारती, गजानंद बन और प्रदेश कार्यकारिणी के दिशानिर्देश पर पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष वीरेंद्र पूरी व दुर्ग जिला के पूर्व अध्यक्ष मोहन पूरी की उपस्थिति में कार्यकारिणी पुनर्गठन करते हुए समाज को संगठित एवं क्रियाशील करने निर्देशित किया गया है। इसमें दुर्ग जिला सचिव खिलावन गिरी शांतिनगर (भिलाई) एवं कोषाध्यक्ष हेतु- भागवत गिरी कादंबरी नगर दुर्ग का नाम प्रस्तावित किया गया। इसी प्रकार कार्यकारिणी के अन्य पदों पर सदस्यों का नाम प्रस्तावित किया गया।

राष्ट्रीय संत चिन्मयानंद बापू सुनाएंगे श्रीराम कथा, 14 दिसंबर से श्रीराम चौक दशहरा मैदान में शुरू होगी कथा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्रीराम जन्मोत्सव समिति एवं जीवन आनंद फाउण्डेशन द्वारा खुर्सीपार में 14 से 22 दिसंबर तक भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। दशहरा मैदान श्रीराम चौक में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय संत चिन्मयानंद बापू महाराज अपने मुखारविंद से रामकथा का वाचन करेंगे।

आयोजन की शुरूआत 13 दिसंबर को कलशयात्रा के साथ की जाएगी। इसी क्रम में आयोजन के लिए आज दशहरा मैदान में भूमिपूजन कार्य सम्पन्न हुआ। जिसमें समिति के युवा विंग अध्यक्ष मनीष पाण्डेय, पार्षद विनोद सिंह सहित बड़ी संख्या में समिति के पदाधिकारी एवं आमजन उपस्थित हुए।

समिति के युवा शाखा अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने बताया कि बहुत ही हर्ष का विषय है कि इस्पात नगरी भिलाई के हृदयस्थल खुर्सीपार में श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। श्रीराम जन्मोत्सव समिति एवं जीवन आनंद फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वाधान में 14 से 22 दिसंबर तक राष्ट्रीय संत श्री चिन्मयानंद जी बापू महाराज के मुखारविंद से संगीतमय श्रीराम कथा का वाचन किया जायेगा। जिसकी तैयारी के क्रम में आज दशहरा मैदान में भूमिपूजन किया गया है।

इस दौरान मुख्य रूप से पं. संदीप तिवारी, बुद्धन ठाकुर, तेजबहादुर सिंह, लालचन्द मौर्या, केएल श्रीवास्तव, बंटी पांडेय, रविन्द्र सिंह, पार्षद श्रीमती वीणा चंद्राकर, श्रीमती गिरीजा बंछोर, श्यामसुंदर राव, पूर्व पार्षद श्रीमती रश्मि सिंह, जोगिंदर शर्मा, मोहित अग्रवाल, सरिता बघेल, मेवालाल यादव, प्रमोद पांडेय, प्रकाश यादव, आदित्य टोपा, अंकुश साहू, नील मानिकपुरी, शंकर केडिया, हैप्पी सिंह, सिद्धू मेश्राम आदि उपस्थित थे।

नेहरू सांस्कृतिक भवन के मंच पर इप्टा का धमाका

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । शाम नेहरू संस्कृतिक भवन सेक्टर 1 के मुक्ता काशीमंच पर भिलाई इप्टा ने अपने रंगकर्मी साथी लेखक, निर्देशक ,अभिनेता शरीफअहमद की पुण्यतिथि पर फणीश्वर नाथ रेणु की कहानी जिसका नाटक रूपांतरण शरीफअहमद ने किया था। पंच लेट का मंचन किया गया इस नाटक की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि इसमें इप्टा की 3 पीढ़ियां एक साथ काम कर रही थी इसमें पहली पीढ़ी का प्रतिनिधित्व सुचिता मुखर्जी राजेश श्रीवास्तव और मणिमय में मुखर्जी कर रहे थे।

दूसरी पीढ़ी से संदीप गोखले रोशन घड़े कर, सुनील मिश्रा थे और वही तीसरी पीढ़ी के चारु श्रीवास्तव और चित्रांश श्रीवास्तव मंच पर एक साथ काम कर रहे थे पंचलैट फणीश्वर नाथ रेणु की एक बहुत ही छोटी सी व्यंग रचना है जिसमें एक छोटे से कस्बे में तमाम तरह की प्रतिस्पर्धा होती रहती हैं कभी किसी टोले की जीत हो होती है तो कभी किसी टोले की की कोई टोला बैल दौड़ पोला बैल दौड़ में जीत जाता है तो कोई कुश्ती में इस तरह गांव में आपस में ही प्रतिस्पर्धा होती रहती हैं एक समय ऐसा आता है जब उस गांव में शहर से एक युवक अपनी एक रिश्तेदार के घर आता है वो युवक शहरी है इसीलिए शहरी लटके झटके उसे आते हैं गांव के युवाओं को गाना सिखाता है साथ ही गांव की एक युवती गौरी से उसे प्रेम हो जाता है जब उनका प्रेम प्रसंग बाकी लोगों को पता चलता है तो पंचायत युवक का हुक्का पानी बंद कर उसे गांव से बाहर निकाल देती है इसी दौरान ब्राह्मण टोले के लोग अपनी पंचायत के लिए एक गैस बत्ती लेकर आते हैं जिसे वे का नाम पंचलाइट देते हैं।

उनकी पंचायत में जब पंचलैट आ जाती है तो महतो टोले के लोग भी अपने लिए जैसे तैसे पंचलैट लाते हैं किंतु मजबूरी बस उनके टोले में किसी को पंचलैट जलाना नहीं आता बाद में पता चलता है युवक जिसका हुक्का पानी बंद कर गांव से निकाल दिया गया है उसे पंचलैट चलाना आता है सरपंच उसे वापस बुलाते हैं लेकिन वह कुछ शर्तों के साथ पंच लेट जलाने के लिए तैयार होता है कि वह इसी गांव में रहेगा गाना गाएगा और गौरी से शादी करेगा क्योंकि पंचलैट न जला पाने की स्थिति में गांव में इस टोले की बेज्जती होने का खतरा रहता है इसीलिए पंचायत उसकी मांग स्वीकार कर लेती है और सारे लोग गोधन और गौरी की शादी के लिए तैयार हो जाते हैं फणीश्वर नाथ रेणु की इस कहानी में बाजार वाद की गांव में दस्तक, पंचायतों के के अपने फायदे के लिए बनाए गए नियम आपसी तनातनी शहर और गांव के बीच की दूरी इन तमाम विषयों को बहुत ही मनोरंजक ढंग से उठाया गया है कहानी त्रासदयी करो ना काल के बाद जैसे-जैसे देश में स्थिति सामान्य होती जा रही है भिलाई इप्टा ने भी अपनी गतिविधियां तेज कर दी है 27 मार्च को विश्व रंगमंच दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मुक्तिबोध नाट्य समारोह रायपुर में नाटक आप कौन चीज के डायरेक्टर हो का मंचन मई में 5 मई से 25 मई तक बाल नाट्य शिविर का आयोजन सितंबर में कटक में अंतरराष्ट्रीय नाट्य महोत्सव में आप कौन चीज के डायरेक्टर हो का मंचन के बाद अब भिलाई इप्टा की अगली प्रस्तुति के रूप में फणीश्वर नाथ रेणु की कहानी पर आधारित नाटक पंचलेट का 21 नवंबर को नेहरू संस्कृतिक भवन में मंचन किया इस नाटक के संगीत निर्देशक भारत भूषण पर गनिहा, सुनील मिश्रा थे मंच सज्जा गोपेश और विक्रम की थी प्रकाश व्यवस्था शानिद अहमद और छोटू ने की तथा मेकअप की जिम्मेदारी लेखा बंछोर और श्रीनू की थी नाटक का निर्देशन चित्रांश श्रीवास्तव ने किया सहयोगी चारु श्रीवास्तव और संदीप गोखले तथा कविता पटेल थे नाटक में मुख्य भूमिका में गोधन (पीयूष खरालकर) गौरी (निकिता कुमारी) सरपंच (मणिमय मुखर्जी एवं अविनाश) काकी (सुचिता मुखर्जी) मेहता टोला और ब्राह्मण टोला के छड़ीदार(राजेश श्रीवास्तव एवं प्रियांशु) पोस्टमैन (विक्रम), गोपाल (अमिताभ शर्मा), मैकेनिक अंकित के अलावा ग्रामीणों की भूमिका में पलक, कुसुम पटेल, विक्रम, श्रीकांत, हर्ष, हरीश, कनिष्क, अमिताभ, श्रेयांश पांडे, पंच (अंशुमन, श्रीकांत,चारू रोहित रेड्डी) बी किशोर, आकाश, अंकित, गोर्की, कविता ,संदीप, गोखले।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धमधा में सिजेरियन ऑपरेशन का 2022 में नया कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमधा। आम जनता के लिए स्वास्थ्य के प्रति विशेष रूचि रखते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बृजेश सिंह क्षत्रिय.डॉ डीपी ठाकुर खंड चिकित्सा अधिकारी .एवं समस्त चिकित्सा अधिकारी.सुपरवाइजर .के द्वारा मैदानी कार्यकर्ताओं का प्रति माह समीक्षा बैठक लेकर राष्ट्रीय कार्यक्रमों के तहत गर्भवती माताओं एवं हाई रिस्क गर्भवती माताओं को चिन्ह अंकित कर सूची बनाकर अवगत कराने हेतु निर्देश प्राप्त का परिणाम है कि आज दिनांक 21/11/2022 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धमधा मैं आज का दिन भविष्य के लिए एवं 2022 के लिए यादगार रहेगा क्योंकि पहली बार दुर्ग जिले के तीनों ब्लाकों में आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धमधा में एक ही दिन 10 हाई रिस्क गर्भवती माताओं का सिजेरियन ऑपरेशन द्वारा प्रसव कराया गया !सभी जच्चा एवं बच्चा सुरक्षित एवं स्वस्थ हैं।

डॉ जे पी मेश्राम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला दुर्ग के मार्गदर्शन.एवं डॉ डीपी ठाकुर खंड चिकित्सा अधिकारी धमधा .के नेतृत्व में डॉ रचना अग्रवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ दिशा ठाकुर स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शीतल यादव निश्चित ना एवं मीना पारकर स्टॉप प्रमुख मिथिलेश सि गौर अंजू इक्का आशीष दास स्टाफ नर्स .कविता वर्मा ओटी अटेंडेंट .बिंदा ठाकुर हीरो दी ठाकुर.मुकेश निर्मलकर.शिव कुमार सिन्हा .द्वारा ऑपरेशन कक्ष में विशेष सहयोग कर पद अनुसार सराहनीय कार्य संपादन किए अनुविभागीय विभागीय अधिकारी राजस्व बृजेश सिंह क्षत्रिय द्वारा टीम को सुगमता पूर्वक कार्य संपन्न करने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दिए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950